सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वरुण-अर्जुन के साथ 800 करोड़ी एक्ट्रेस! :- पेज 8

फिर लय में आ रहे हैं रोहित: बाउचर:- पेज 8

वर्ष : 01 | अंक: 17 | शनिवार- 19 अप्रैल 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 4 रुपए

दिल्ली उच्च न्यायालय ने द्रौपदी का हवाला दिया, व्यभिचार मामले में व्यक्ति को बरी किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को व्यभिचार के मामले में आरोपमुक्त कर दिया है। यह मामला उस महिला के पति ने दायर किया था, जिसके साथ व्यक्ति के कथित रूप से संबंध थे। अदालत ने कहा कि महिला को पति की संपत्ति मानने का मामला महाभारत में द्रौपदी के मामले में अच्छी तरह से दर्ज है।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने भारतीय दंड संहिता की धारा 497 के तहत व्यभिचार के अपराध को असंवैधानिक बताते हुए उच्चतम न्यायालय के फैसले पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि पुराने कानून में यह प्रावधान था कि संबंधित अपराध केवल विवाहित महिला के पति की सहमति या मिलीभगत के अभाव में ही माना जाता है।

अदालत के 17 अप्रैल के फैसले में कहा

गया, महिला को पति की संपत्ति माना जाना और इसके विनाशकारी परिणाम महाभारत में अच्छी तरह से वर्णित हैं, जिसमें द्रौपदी को जुए के खेल में किसी और ने नहीं, बल्कि उसके अपने पति युधिष्ठिर ने दांव पर लगा दिया था, जहां अन्य चार भाई मूकदर्शक बने रहे और द्रौपदी के पास अपनी गरिमा के वास्ते विरोध करने के लिए कोई आवाज नहीं थी।

इसने कहा, जैसा कि हुआ, जुए के खेल में हार के बाद महाभारत का युद्ध हुआ, जिसमें बड़े पैमाने पर लोगों की जान चली गई और परिवार के कई सदस्य मारे गए। एक महिला को एक संपत्ति के रूप में मानने की मूर्खता के परिणाम को प्रदर्शित करने के लिए ऐसे उदाहरण मौजूद होने के बावजूद, हमारे समाज की स्त्री-द्वेषी मानसिकता को यह तभी समझ में आया, जब उच्चतम न्यायालय ने भादंसं की धारा 497 को असंवैधानिक घोषित कर दिया।

वर्तमान मामले में पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी याचिकाकर्ता के साथ व्यभिचार संबंध में थी और वे दूसरे शहर चले गए, जहां वे एक होटल में साथ रुके और पति की सहमति के बिना उनके बीच यौन संबंध बने। मजिस्ट्रेट अदालत ने याचिकाकर्ता को आरोपमुक्त कर दिया था, जबकि सत्र अदालत ने इसे निरस्त करते हुए व्यक्ति को समन भेजा था।

शीर्ष अदालत के फैसले पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि महिला के पति द्वारा दायर शिकायत रद्द की जानी चाहिए।

मामले में व्यक्ति को आरोपमुक्त करते हुए पीठ ने कहा, इसलिए यह स्पष्ट है कि पुरातन कानून का उद्देश्य काफी पहले समाप्त हो चुका है और आज की संवैधानिक नैतिकता के अनुरूप नहीं है, क्योंकि जिस उद्देश्य से इसे बनाया गया था, वह अब स्पष्ट रूप से मनमाना हो गया है, बहुत पहले ही इसका औचित्य खत्म हो चुका है और आज के समय में यह पूरी तरह से तर्कहीन हो गया है।

उच्चतम न्यायालय तेलंगाना में विधि अधिकारियों की बर्खास्तगी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा

नयी दिल्ली (एजेंसी) *तेलंगाना में कांग्रेस नीत सरकार के गठन के बाद राज्य के कई विधि अधिकारियों की बर्खास्तगी के खिलाफ दायर याचिका पर उच्चतम न्यायालय पांच मई को सुनवाई करेगा। राज्य की पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा विभिन्न न्यायिक संस्थाओं में उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किये गए विधि अधिकारियों ने उनकी बर्खास्तगी को बरकरार रखे जाने संबंधी तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।*

सत्रह अप्रैल को न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने येंडाला प्रदीप और अन्य की याचिका पर विचार किया तथा उनकी याचिका पर सुनवाई निर्धारित की, क्योंकि राज्य सरकार के वकील ने संबद्ध प्राधिकारों से निर्देश प्राप्त करने के लिए समय देने का आग्रह किया था। पीठ ने सुनवाई टालते हुए कहा, याचिकाकर्ताओं के वरिष्ठ वकील की दलीलें सुनने के बाद, राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि बहस के दौरान जो मुद्दे सामने आए हैं, उन्हें मद्देनजर रखते हुए विशेष रूप से ऐसे मुद्दों पर नये निर्देश लेने की आवश्यकता होगी।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार के फेरबदल के तहत अरविंद श्रीवास्तव को राजस्व सचिव नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली (एजेंसी) केंद्र सरकार की ओर से शुक्रवार को शीर्ष स्तर पर किये गये फेरबदल के तहत वरिष्ठ नौकरशाह अरविंद श्रीवास्तव को नया राजस्व सचिव नियुक्त किया गया है। वर्ष 1994 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीवास्तव वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव के रूप में श्रीवास्तव की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम को व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह मनोज गोविल का स्थान लेंगे, जिन्हें कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। अग्रवाल वर्तमान में राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। वे वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) के निदेशक का कार्यभार भी संभाल रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति किसी पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते: सिब्बल

नयी दिल्ली (एजेंसी) राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह असंवैधानिक है और राज्यसभा के किसी सभापति को कभी भी इस तरह का

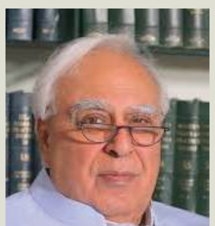

राजनीतिक बयान देते नहीं देखा गया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे पार्टी प्रवक्ता नहीं हो सकते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हर कोई जानता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे मतदान भी नहीं करते हैं, वे केवल तभी मतदान करते हैं जब पक्ष एवं विपक्ष को बराबर मत मिलते हैं। उच्च सदन के साथ भी यही बात है। आप विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच समान दूरी पर हैं। सिब्बल का कहना था, आप जो कुछ भी कहते हैं वह समान दूरी बनाए रखने वाली होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बात की

प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में सहयोग पर चर्चा हुई

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी प्रशासन में अच्छा-खासा प्रभाव रखने वाले दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क से शुक्रवार को बात की और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर उनसे चर्चा की।

मोदी ने मस्क से बात करने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए बताया कि उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मस्क के व्यापारिक साम्राज्य में टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, एलन मस्क से बातचीत के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें इस साल की शुरूआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल रहे। हमने प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की।

मोदी ने कहा, भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मस्क को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है। मस्क सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं जिसका उद्देश्य सरकारी व्यय में कटौती एवं संघीय कार्यबल को कम करना है।

एक भी पैसा निवेश किए बिना सोनिया, राहुल की नजर 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर : भाजपा

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजनीति को कारण बताए जाने को लेकर कांग्रेस की शुक्रवार को आलोचना की और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस नेताओं को चुनौती दी कि वे मामलों के त्वरित एवं समयबद्ध निपटारे के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएं। सत्तारूढ़ भाजपा ने गांधी परिवार के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) के आरोप पत्र दाखिल करने के बाद विपक्षी पार्टी को घेरा है। उसने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर जनता के पैसे को ऐसे साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में खर्च करने का आरोप लगाया जिसे बहुत कम लोग पढ़ते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने समाचार पत्र को अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक भी पैसा निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की।

जनता के पैसे के गबन को लेकर भाजपा का कांग्रेस कार्यालय के निकट प्रदर्शन

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड मामले में जनता के पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कांग्रेस के अकबर रोड कार्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा की शहर इकाई के कार्यकर्ता मान सिंह रोड पर एकत्र हुए, जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

सचदेवा ने कहा, मामला 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का कम मूल्यांकन करने से जुड़ा है, जिसे 50 लाख रुपये में मां ने अपने बेटे को सौंप दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में धनशोधन के आरोप में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। कांग्रेस ने आरोपपत्र को प्रतिशोध की राजनीति बताया है। सचदेवा ने पूछा कि अगर सोनिया गांधी और राहुल गांधी को लगता है कि

उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है तो उन्होंने जमानत के लिए आवेदन क्यों किया। उन्होंने कहा, इसके बजाय उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए थी और खुद को सही साबित करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला साजिश, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का मामला है जिसके लिए कांग्रेस नेता जवाबदेह हैं। सचदेवा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा चुराए गए सार्वजनिक धन का एक-एक पैसा वसूला जाएगा।

राहुल गांधी ने सिद्धरमैया से कर्नाटक में रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने के लिए कहा

नयी दिल्ली (एजेंसी) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश में रोहित वेमुला अधिनियम लागू किया जाए ताकि वंचित वर्गों के किसी छात्र को जातिवाद का वो दंश नहीं झेलना पड़े जिसे बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, रोहित वेमुला और करोड़ों लोगों ने झेला है।

कांग्रेस ने वर्ष 2023 के अपने रायपुर महाधिवेशन में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक वर्गों के छात्रों का सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोहित वेमुला अधिनियम नामक एक विशेष कानून पारित करेगी।

हैदराबाद विश्विद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला ने जनवरी, 2016 में कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सिद्धरमैया को लिखा पत्र शुक्रवार को एक्स पर साझा किया।

उन्होंने कहा, हाल ही में संसद में मेरी मुलाकात दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में

पूर्व कुलपति और परिवार के खिलाफ ईडी ने आरोपपत्र दाखिल किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) बिहार की राजधानी पटना में स्थित मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और उनके परिवार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आरोपपत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, उनके बेटे डॉ. अशोक कुमार, भाई अवधेश प्रसाद और उनसे कथित रूप से जुड़े प्यारी देवी स्मारक कल्याण ट्रस्ट के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने शिकायत दर्ज की है।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि 15 अप्रैल को पटना में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया गया और अदालत ने उसी दिन संज्ञान लिया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका। धन शोधन का मामला बिहार पुलिस की विशेष सतर्कता इकाई द्वारा पूर्व कुलपति एवं अन्य के खिलाफ की गई जांच से सामने आया।

वक्फ अधिनियम उस विचार का उल्लंघन करता है जिस पर राष्ट्र का निर्माण होता है: डेरेक ओ ब्रायन

नयी दिल्ली (एजेंसी) तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शुक्रवार को कहा कि वक्फ अधिनियम-2025 समानता, व्यक्तिगत स्वायत्तता, संघवाद और

उस विचार का उल्लंघन करता है जिस पर राष्ट्र का निर्माण हुआ है। एक ब्लॉग पोस्ट में तृणमूल कांग्रेस के नेता ने कहा कि मुद्दा केवल भूमि या कानून के बारे में नहीं है, बल्कि सम्मान के बारे में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर अधिकारों को एक व्यक्ति के लिए फिर से लिखा जा सकता है, तो इसे सभी के लिए दोबारा लिखा जा सकता है। उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक केवल भूमि या कानून के बारे में नहीं है। यह सम्मान के बारे में है। ओ ब्रायन ने ब्लॉग का शीर्षक *क्या मैं पर्याप्त भारतीय हूं* दिया है ।

इसमें उन्होंने लिखा है कि लाखों भारतीयों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक एवं हाशिए पर पहुंच चुके समुदायों के लिए, यह एक केवल एक सवाल नहीं है, बल्कि एक वास्तविकता है। तृकां नेता ने कहा, यह एक बोझ है। यह उनके होने पर गहरा संदेह है। उनका अस्तित्व। हर कानून। हर नीति।

ज्ञान प्रचार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं

शाह ने गीता, नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल करने की सराहना की

नयी दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भगवद् गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने की सराहना की तथा कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

शाह ने यह भी कहा कि दुनिया भारत के ज्ञान का सम्मान करती है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय

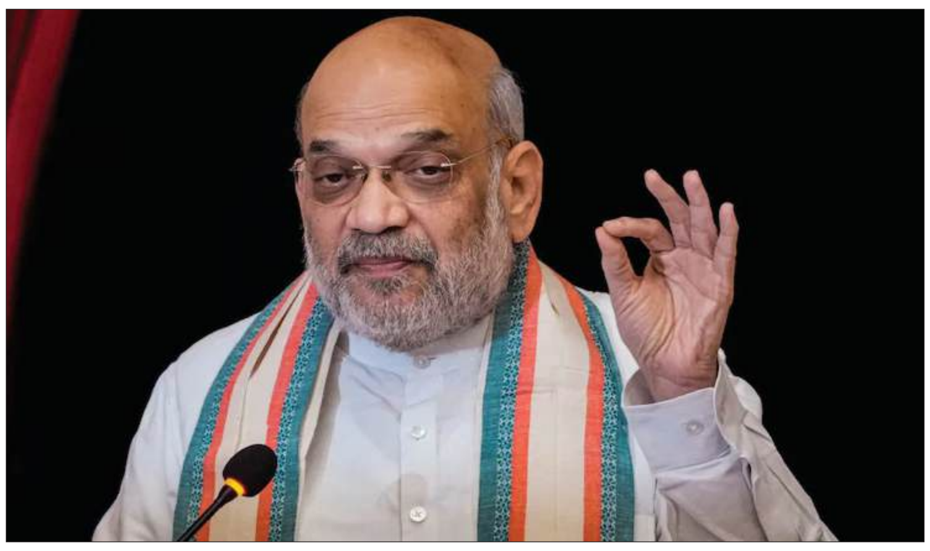

- **धर्मग्रंथ भारत के प्राचीन ज्ञान को दर्शाते हैं, जिन्होंने अनादि काल से मानवता को विश्व को बेहतर बनाने तथा जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है : गृह मंत्री**

को बधाई। गृह मंत्री ने कहा कि धर्मग्रंथ भारत के प्राचीन ज्ञान को दर्शाते हैं, जिन्होंने अनादि काल से मानवता को विश्व को बेहतर बनाने तथा जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों को एक बड़ी मान्यता है।

भगवद् गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र की पांडुलिपियां उन 74 नए दस्तावेजी धरोहर संग्रहों का हिस्सा हैं, जिन्हें यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किया गया है। इस रजिस्टर में मानवता की दस्तावेजी विरासत के रूप में पुस्तकें, पांडुलिपियां, मानचित्र, फोटोग्राफ, ध्वनि या वीडियो रिकॉर्डिंग शामिल हैं। संबंधित उपलब्धि 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर मिली है।

संपादकीय

प्रतिभाओं के अनुकूल वातावरण बनाएं

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।

दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं।

आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

» कमलेश पांडेय

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है।

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही

मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और ह्यसुपर संसदह्ल के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता!

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी।

राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है।

मुद्दा

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

» चेतनादित्य आलोक

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आततायों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं।

बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं।

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई।

गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे।

उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की ह्यममताह्ल अब तक नहीं जाग पाई है।

पर्सनालिटी

सामान्य बच्चों से अलग था अल्बर्ट आइंस्टीन का बचपन, फिर पूरी दुनिया ने माना लोहा

» अनन्या मिश्रा

18 अप्रैल को दुनिया के महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हो गया था। हालांकि बचपन में आइंस्टीन की गिनती कमजोर बुद्धि वाले बच्चों में होती थी। लेकिन बाद में दुनिया उनके दिमाग का लोहा मानने लगी थी। तो वहीं एक समय ऐसा भी आया था, जब आइंस्टीन को स्कूल से निकाल दिया गया था। स्कूल से निकाले जाने के बाद अल्बर्ट आइंस्टीन ने कभी अपने जीवन में पीछे मुड़कर नहीं देखा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जन्म और शिक्षा

जर्मनी में 14 अप्रैल 1879 को एक यहूदी इंजीनियर के घर पर अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म हुआ था। जन्म के करीब 4 सालों तक उन्होंने एक भी शब्द नहीं बोला था। वहीं जन्म के समय उनका सिर सामान्य बच्चों की तुलना में काफी बड़ा था। स्कूल में पढ़ाई के दौरान आइंस्टीन की गिनती बेवकूफ बच्चों में होती थी। वह सिर्फ गणित और विज्ञान में पास होते थे और अन्य सभी सब्जेक्ट्स में फेल हो जाते थे।

एक बार अल्बर्ट की अध्यापिका ने उनको एक पत्र दिया था और कहा कि यह पत्र अपनी मां को देना। अल्बर्ट ने अपनी मां को यह पत्र दिया और पढ़कर मन ही मन मुस्कुराने लगी। तब अल्बर्ट ने पूछा कि इसमें क्या लिखा है, तो उनकी मां ने बताया कि पत्र में लिखा कि बच्चा पढ़ने में बहुत होशियार है और स्कूल में ऐसे टीचर नहीं है, जो आपके बच्चे को पढ़ा सकें। इसलिए आप अपने बच्चे का

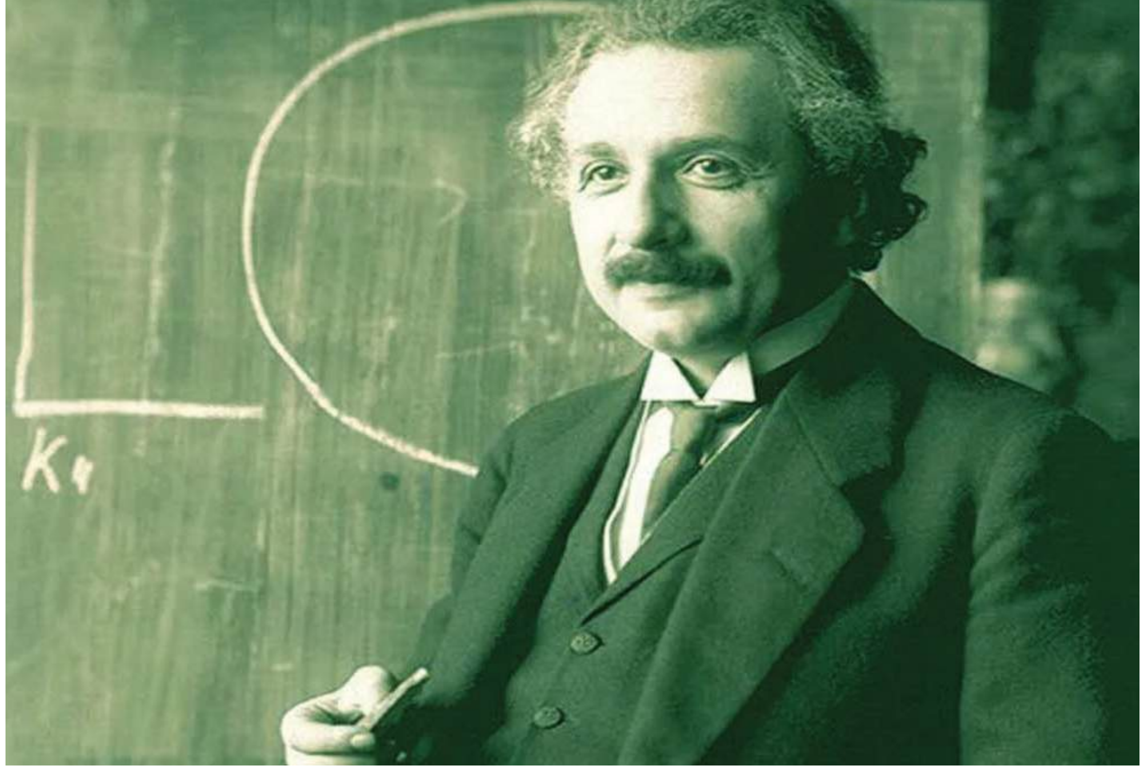

दूसरी जगह एडमिशन करा दें।

जिसके बाद अल्बर्ट की मां ने उसका एडमिशन दूसरे स्कूल में करा दिया था। फिर अल्बर्ट में मन लगाकर पढ़ाई करना शुरूकर दिया। वह अपनी मेहनत के दम पर एक महान वैज्ञानिक बने और जब उनकी मां का निधन हो गया तो अल्बर्ट आइंस्टीन ने मां की अलमारी से वह पत्र निकालकर पढ़ा, जिसमें लिखा था कि आपका बेटा पढ़ाई में बहुत कमजोर है और जैसे-जैसे उसकी उम्र बढ़ रही है, उसकी बुद्धि का विकास नहीं हो रहा है। इसलिए हम उसको अपने स्कूल से निकाल रहे हैं।

अलबर्ट आइंस्टीन की मुख्य खोजें

बता दें कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक वैज्ञानिक के तौर पर कई खोज की थी। लेकिन अल्बर्ट को सबसे ज्यादा सापेक्षता के सिद्धांत के लिए जाना जाता है। उनके इस सिद्धांत ने दुनिया को देखने के तरीके में बहुत बदलाव किया। उन्होंने परमाणु बम और परमाणु ऊर्जा सहित कई आधुनिक अविष्कारों की नींव रखी। साल 1905 में आइंस्टीन की इस अवधारणा के साथ आए कि प्रकाश कणों से बना है। लेकिन इस अवधारणा से अधिकतर वैज्ञानिक सहमत नहीं थे।

लेकिन बाद में हुए प्रयोगों ने इस मामलों को दिखाया। साल 1921 में अल्बर्ट आइंस्टीन को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

आज का इतिहास

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1975 - सोवियत संघ की मदद से भारत के पहले उपग्रह आर्यभट का अंतरिक्ष में प्रक्षेपण।
1977 - सेटेलाइट कम्यूनिकेशन का प्रारम्भ।
1999 - बी.बी.सी. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रिका आरम्भ करने की योजना।
2001 - बी.एस.एफ. ने मेघालय के गांव से बांग्लादेशी सेना को मार भगाया।
2003 - चीन की महिला भारोत्तोलक बांग मिंग च्यान ने विश्व रिकार्ड बनाया।
2005 - जर्मनी के कार्डिनल योसिफ रान्सिंगर रोमन कैथोलिक चर्च के नये पोप चुने गये।
2006 - प्रथम अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग को उनके द्वारा लाया गया चांद टुकड़ा भेंट किया गया।

2007 - द विजार्ड आफ आईडी सीरीज के कार्टूनिस्ट ब्रैंड पार्कर का निधन।
2008 - उत्तर प्रदेश सरकार ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण करने के लिए नई कमेटी बनाने की घोषणा की।
पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम 2000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले प्रक्षेपास्त्र शहीन-2 का सफल परीक्षण किया। फ़्रेंच गुयाना स्थित यूरोप के अंतरिक्ष केन्द्र कौरू से एरियन-5 रॉकेट से ब्राजील व वियतनाम के दो दूर संचार उपग्रह एक साथ प्रक्षेपित किये गए।
2010 - ग्लोबल वॉर्मिंग के सबूत मिलने के बाद नेपाल के पर्वतारोहियों की एक टीम एवरेस्ट के 8 हजार मीटर के ऊपर के डेथ जोन की सफाई करेगी. इसी हफ़्ते शुरू होने वाले इस अभूतपूर्व सफाई अभियान में 20 नेपाली पर्वतारोही हिस्सा लेंगे. एक्ट्रीम एवरेस्ट एक्स्पेडिशन 2010 नामके इस अभियान की अगुवाई एवरेस्ट विशेषज्ञ नामग्याल शेरपा करेंगे।

19 को जन्मे व्यक्ति

1864 - महात्मा हंसराज - पंजाब के प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद।
1968 - अरशद वारसी - हिन्दी फिल्मों के एक अभिनेता हैं।

1977 - अंजू बॉबी जॉर्ज, भारत की प्रसिद्ध एथलेटिक्स खिलाड़ी हैं।
1950 - एच. एस. ब्रह्मा - भारत के भूतपूर्व 19वें मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।
1945 - सुरेखा सीकरी - भारतीय अभिनेत्री और टेलीविजन कलाकार हैं।

19 को हुए निधन

2021 - सुमित्रा भावे - सुप्रसिद्ध मराठी फिल्म निमार्ता थीं।
1910 - अनंत लक्ष्मण कन्हेरे - देश की आजादी के लिए शहीद होने वाले युवा क्रांतिकारियों में से एक।
1943 - सी. विजय राघवा चारियर - प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता थे।
1728 - कीरत सिंह जू देव, घोषचन्द्र वंशीय नरेश थे।
1933 - सैयद हसन इमाम - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के पूर्व अध्यक्ष।
1882 - चार्ल्स डार्विन - महान प्रकृतिवादी वैज्ञानिक थे।

महत्त्वपूर्ण अवसर एवं उत्सव

फायर सर्विस सप्ताह
भारत द्वारा उपग्रह क्षेत्र में प्रवेश दिवस (1975)
विश्व यकृत दिवस

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत पारिवारिक विवाद, धन संपत्ति विवाद को लेकर हुआ बैठक का आयोजन

» सब का सपना

चंदौसी/संभल : उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में प्रास्तावित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित 10.05.2025 के सफलतापूर्वक आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार शुक्रवार को प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल स्थित चंदौसी के विश्राम कक्ष में एक बैठक समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट अधिकारीगण के साथ आयोजित की गयी। जिसमें प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल स्थित चंदौसी द्वारा आगामी लोक अदालत में संपत्ति अधिग्रहण, वित्तीय विवाद, वैवाहिक मुद्दों जैसे पारिवारिक विवाद, धन वसूली से संबंधित मामले, श्रम विवाद से संबंधिक मुद्दे तथा सार्वजिनक उपयोगिता बिलों जैसे बिजली या पानी से संबंधित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में सुलह-समझौतों के माध्यम से निस्तारण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये। उपरोक्त बैठक के अवसर पर सिविल जज (सी.डि.)/ए.सी.जे.एम., संभल स्थित चंदौसी, आदित्य सिंह, सिविल जज (जू.डि.) जे.एम., संभल स्थित चंदौसी, दिव्या गर्ग, सिविल जज (जू.डि.), बाह्य न्यायालय संभल, नावेद अख्तर, सिविल जज (जू.डि.), कोर्ट नं.-01 बाह्य न्यायालय संभल, ललित कुमार सिविल जज (जू.डि.), कोर्ट नं.-02 बाह्य न्यायालय संभल वंदना सिंह आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना सिंह-प्रथम द्वारा दी गयी।

घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन की कार्यवाही का किया कार्य

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई मुख्य चिकित्सा अधिकारी सम्भल के निदेर्शानुसार मलेरिया विभाग की टीम द्वारा ब्लाक बहजोई के ग्राम रमपुरा में रैण्डम आधार परं घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन की कार्यवाही का कार्य किया गया। ग्राम में सम्पादित किये गये कार्य का विवरण निम्नवत है,ग्राम में कुल जाँचे गये घरों की संख्या,लार्वा धनात्मक पाये गये घरों की संख्या,घरों के अन्दर जॉचे गये कुल कन्टेनरों की संख्या,लार्वा धनात्मक पाये गये कन्टेनरों की संख्या,खाली कराये गये कन्टेनरों की संख्या जिनमें जल भरा हुआ पाया गया,ग्राम में पैम्फलेट वितरण कर लोगों को संचारी रोगों से बचाव की जानकारी दी गयी।

बीस अप्रैल को लगेगा दूसरा व अंतिम हज प्रशिक्षण कैंप

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी संभल /हज 2025 का प्रशिक्षण केंद्र मोहल्ला पंजाबी यान स्थित पंजाबियों वाली मस्जिद में 20 अप्रैल दिन रविवार सुबह 9:00 बजे से लगेगा उसमें हज के मुताबिक भारत सरकार की गाइडलाइन अनुसार प्रशिक्षण बाहर से आए मौलाना द्वारा दिया जाएगा जिसमें हाजियों को सफर कैसे करना है मक्का मदीना मुजदल्फा मीना में क्या-क्या कार्य करने हैं और क्या नहीं करने इसकी तफसील से जानकारी दी जाएगी जिसे हज को जाने वाले हाजियों को कोई परेशानी ना हो इसकी जानकारी खिदमत ए हरमैन हज उमरा ग्रुप के चेयरमैन शफीक अहमद सिद्दीकी व सदस्य हाजी शाह आलम मंसूरी ने दी

पिकअप ने मारी जोरदार टक्कर तीन लोग घायल

» सब का सपना संवाददाता

गुन्नौर सम्भल। पिकअप की टक्कर से बुग्गी में सवार तीन लोग घायल हो गये।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से घायलों को गुन्नौर सरकारी अस्पताल पहुँचाया। शुक्रवार को बबराला अनूपशहर मार्ग पर गांव भगतानगला के पास पिकअप ने बुग्गी में टक्कर मार दी।बुग्गी से रामस्वरूप पुत्र ईश्वरी,नैनसुख व रामदास पुत्रगण रेवती सिंह निवासी गांव रानीगंज थाना रजपुरा तीनों लोग अपने गांव रानीगंज से बबराला शादी का सामान और बाजार से सब्जी लेने आ रहे थे।उनकी बुग्गी को पीछे से पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर डायल 112 पुलिस घटनास्थल पर पहुँची।घायलों को गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया।जहां डॉक्टर ने उपचार के दौरान तीनों की हालत गम्भीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमरोहा नगर की एक मशहूर शख़्सियत 'सैय्यद रईसुद्दीन अहमद रिजवी'

» लेखक भुवनेश शर्मा, भुवन अमरोहवी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का नगर अमरोहा सदियों से अमन-शांति का केन्द्र रहा है। इस शहर में कभी दंगे-फसाद नहीं हुए यहाँ तक कि विभाजन के समय वर्श 1947 में भी यहाँ कर्फ्यू नहीं लगा और उसके बाद से अब तक कभी भी इस नगर में कर्फ्यू लगाने की नौबत नहीं आई। विभिन्न धर्मो एवं समुदायों के बीच भाईचारे का माहौल इस शहर में हमेशा से बना रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि सदियों पहले से इस शहर में सूफी-संत लोगों का रहना हुआ है जिन्होंने सदैव आपसी प्रेम का पाठ पढ़ाया। मेलजोल एवं परोपकार की यह परंपरा आज भी अमरोहा में विद्यमान है।

अमरोहा नगर के उत्तरी भाग में स्थित मौहल्ला कुरैशी में एक मशहूर हवेली है जिसका नाम ह्यह्यअलीजान-मंजिलह्यह्य है। यह हवेली 52 बीघा क्षेत्रफल में बनाई गई थी। किले जैसी इस विशाल हवेली की बाहरी दीवारें बहुत ऊँची और चैड़ी हैं। इसका निर्माण लगभग 150 वर्श पूर्व मशहूर जमींदार सैय्यद नजीरूद्दीन रिजवी उर्फ अलीजान रिजवी साहब के द्वारा कराया गया था, उन्हीं के नाम से इस हवेली का नाम ह्यअलीजान मंजिलह्य है। अलीजान मंजिल का प्रवेश-द्वार बहुत आकर्शक मेहराबनुमा है, जिसकी ऊँचाई लगभग 20 फीट है। अलीजान मंजिल के अंदर की सभी आराजी, मकानात एवं रास्ते प्राइवेट प्रापर्टी हैं, जिनका रख-रखाव हवेली के अन्दर रहने वाले लोगों के द्वारा किया जाता है। वर्तमान में इस हवेली में अलीजान साहब की चैथी एवं पाँचवीं नस्लें आवास करती हैं। ये सभी लोग बहुत शान्तिप्रिय एवं मेल-मिलाप से रहने वाले लोग हैं।

अलीजान साहब (वर्श 1827 - 1905) एक मशहूर वकील थे और बहुत बड़े जमींदार थे। उन्होंने बरेली नगर में लगभग 40 साल तक वकालत की और बहुत दौलत एवं शोहरत कमाई। बरेली से वापस आने पर अगस्त 1900 में अमरोहा के आनरेरी मजिस्ट्रेट के पद पर नामित हुए और अपनी मृत्यु सन 1905 तक इस ओहदे पर बने रहे। अलीजान साहब बहुत नर्म दिल इंसान थे और समाज कल्याण के कामों में सदैव बढ़-चढ़कर अपना योगदान देते रहे। नगर एवं आस-पास के देहातों में उनकी बहुत सी जायदाद थी जिनमें खेतों के अलावा आम के कइ बाग उल्लेखनीय हैं। अलीजान साहब के छः बेटे हुए और इन सब बेटों के लिए अलीजान मंजिल में उन्होंने अलग-अलग बड़े-बडे.मकान बनवाये थे।

अलीजान साहब के सबसे छोटे बेटे सैय्यद रईसुद्दीन अहमद रिजवी साहब थे जो अपनी नेक तबियत, मिलनसारी, मेल-मिलाप एवं समाज कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण बहुत मशहूर हुए। अभिलेखों में आपकी जन्मतिथिइस्लामी कैलेण्डर के अनुसार 11 जमादीउस्सानी 1296 दर्ज है (मु031.05.1879 ई0)। उस समय की शिक्षा पद्धति के अनुसार आपने उर्दू, फारसी एवं अरबी की शिक्षा अमरोहा में प्राप्त की। 1916 ई0 में आप अमरोहा के म्युनिस्पिल कमिष्नर बने तथा 1930 में आनरेरी कलेक्टर के पद पर पदस्थापित किये गये और लगभग 10 साल तक ये सेवायें देते रहे। रईसुद्दीन साहब बा-असर, रोबदार एवं मशहूर शख़्सियत के मालिक थे। न केवल अमरोहा में बल्कि पूरे जिले में मशहूर थे। आनरेरी मजिस्ट्रेट की हैसियत से आपकी अदालत अलीजान मंजिल में ही होती थी।

रईसुद्दीन साहब को अपने पूर्वज यानी हजरत सैय्यद शाह अब्बन बदरे चिष्ती की जात से खास अकीदत थी। हजरत शाह अब्बन बदरे चिष्ती की मजार एवं दरगाह अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक है और यहीं पर रईसुद्दीन साहब का खानदानी कब्रिस्तान है। इस दरगाह को अमरोहा में आम बोल-चाल में रोजा-ए-शाह-अब्बन के नाम से जाना जाता है। रईसुद्दीन साहब ने इस रोजा-ए-शाह-अब्बन पर निर्माण के बहुत से कार्य करवाये और दरगाह की आराजी को अनाधिकृत कब्जों से सुरक्षित किया। शाह-अब्बन साहब के सालाना उर्स को उच्च स्तर पर पहुँचाया और इसका प्रबन्ध बहुत अच्छे तरीके से करने का सिस्टम बनाया। उनके समय में इस उर्स में देश भर के विभिन्न शहरों से मेहमानों, सूफी सन्तों का आना आरंभ हुआ।

अमरोहा नगर वासियों के लिए दो बड़े कार्य जो रईसुद्दीन साहब द्वारा किये गये वे यह कि खानदानी कब्रिस्तान में से लगभग आधी आराजी को नगर के ऐसे लोगों के लिए आरक्षित कर दिया गया जिनके पास अपने कोई कब्रिस्तान नहीं थे। इस आराजी को गोर-ए-गरीबाँ के नाम से जानते हैं और आज भी अमरोहा की जनता इससे लाभान्वित होती है। दूसरा बड़ा कार्य जो रईसुद्दीन साहब ने किया वह ये था कि खानदान के लोगों को एकजुट करके एक कमेटी बनाई जिसका नाम अन्जुमन सादात-ए-रिजविया है जिसकी नियमावली की मुख्य शर्त बनाई गइ कि रोजा-ए-शाह-अब्बन की आराजी से होने वाली आमदनी का एक बड़ा हिस्सा बेवा औरतों एवं यतीम बच्चों के जीवन-यापन एवं शिक्षा पर खर्च किया जाए। इस प्रकार बहुत से लोगों को इससे फायदा पहुँचा और अब तक यह सिलसिला जारी है।

रईसुद्दीन साहब की मेहमान-नवाजी बेमिसाल थी। अलीजान मंजिल के प्रवेश द्वार के सामने स्थित दीवानखाने पर रोजाना दोस्तों व एहबाब को बैठाया जाता था और उनके आदर सत्कार में कोई कमी नहीं छोड़ी जाती थी। आमों के मौसम में अलीजान मंजिल की रौनक देखने लायक होती थी। आमों की कई किस्मों वाले बाग रईसुद्दीन साहब को विरासत में मिले थे और आम का शौक भी उन्हें विरासत में मिला था। अमरोहा नगर में स्थित दो मशहूर आमों के बाग ह्यचमेलीवालाह्य एवं ह्यकुँवें वालाह्य बाग मशहूर हैं और आज भी उनके वंशजों के पास महफूज है। इन दोनों बागों में रामपुर, मलिहाबाद, कोलकाता, गोरखपुर, लखनऊ एवं बेतिया आदि शहरों से मँगाई गई आमों की लजीज किस्मों के पेड़ हैं। रईसुद्दीन साहब को आमों को खाने एवं खिलाने का शौक दीवानगी की हद तक था और मेहमान-नवाजी की ये हालत थी कि दीवानखाने पर आम की दावत होती थी जिसमें किसी शख़्स को जो आम की किस्म पसन्द आ जाये वे टोकरी में भरकर उसके घर पहुँचा दिये जाते थे।

रईसुद्दीन साहब ने अपने भाई-भतीजों की भरपूर मदद की और उनमें से किसी ने जब कभी अपने मकान आदि को बेचना चाहा तो उसे रईसुद्दीन साहब ने खरीदा ताकि अलीजान मंजिल में अलीजान साहब की औलादें ही रहें। यही कारण है कि अलीजान मंजिल के एक बड़े हिस्से की मलिकियत रईसुद्दीन साहब के पास रही जो आज उनके वंशजों की मलिकियत है जिसमें अलीजान मंजिल के गेट पर दाहिनी और बायीं तरफ की आराजी तथा सामने का दीवानखाना शामिल हैं। रईसुद्दीन साहब के केवल एक बेटे थे जिनका नाम सैय्यद अनीसुद्दीन अहमद रिजवी था। अनीसुद्दीन साहब पेशे से वकील थे लेकिन शायर एवं साहित्यकार के रूप में अधिक मशहूर हुए। अनीसुद्दीन साहब रामपुर स्टेट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के पद पर पदस्थापित रहे थे। अनीसुद्दीन साहब के दो बेटे हुए, एक सैय्यद खुर्शीद मुस्तफा रिजवी तथा दूसरे सैय्यद आमिर मुस्तफा रिजवी। दोनों भाई अपनी मिलनसारी और साहित्यिक कार्यों के लिए बहुत प्रसिद्ध हुए। सैय्यद खुर्शीद मुस्तफा रिजवी का योगदान सच्चे इतिहासकार के रूप में राष्ट्रीय स्तर का रहा है। देश प्रेम एवं राष्ट्रीय एकता से ओत-प्रोत उनकी रचनाएं पूरे देश में बहुत लोकप्रिय हुइँ, विशेश रूप से अंग्रेजों के शासन काल पर उनकी रिसर्च अद्वितीय है।

उन्होंने विभिन्न नगरों में जा-जाकर वहाँ के पुरातत्व संस्थानों एवं पुस्तकालयों में रखे हुए मूल अभिलेखों का अध्ययन एवं विष्लेशण किया जिसमें अंग्रेजों के जुल्मों-सितम के साक्ष्यों का वर्णन मिलता है और जिन्हें अंग्रेजों के डर से 19वीं शताब्दी में छुपा दिया गया था। इस परिप्रेक्ष्य में खुर्शीद रिजवी का बड़ा कारनामा है लगभग 800 पन्नों की किताब, जिसका नाम है जंग-ए-आजादी 1857 जो रजा लाइब्रेरी, रामपुर से सन 2000 में प्रकाशित हुई। इस किताब में अंग्रेजों के जुल्मो-सितम की दास्तान है, हिन्दुस्तानियों के देश प्रेम की दास्तान है जिन्होंने 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होकर आजादी की पहली लड़ाई लड़ी। इस जंग में सभी धर्मों, सम्प्रदायों एवं वर्गों के लोग अंग्रेजों के विरूद्ध एकजुट थे। इस लड़ाई को अंग्रेजों ने गदर एवं वगावत का नाम देने की कोशिश की। वास्तव में यह इस देश की आजादी के लिए लड़ी गई पहली जंग थी। इस किताब में भारतवासियों के देश प्रेम और राष्ट्रीय एकता की सच्ची नजीर देखने को मिलती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि रईसुद्दीन साहब की औलाद में देश-प्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं भाईचारे जैसे संस्कार बाद की नस्लों में भी मौजूद रहे हैं और आज भी अलीजान मंजिल के सभी निवासी इन अच्छे संस्कारों को अपनाये हुए हैं।

राष्ट्रीय पर्वो पर अलीजान मंजिल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। सभी धर्मो, संप्रदायों के त्योहारों को यहाँ एकता के साथ मनाया जाता है। विभिन्न त्योहारों पर निकलने वाले जुलूसों का आदर-सत्कार जोर-शोर से अलीजान मंजिल में किया जाता है। ऐसे सभी अवसरों पर जुलूस में शरीक लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की जाती है। यह सारी व्यवस्था रईसुद्दीन साहब के वंशज और उनके परपोते सैयद अजमल मुस्तफा रिजवी एवं सैयद उवैस मुस्तफा रिजवी के द्वारा की जाती है।

रईसुद्दीन साहब को अपने वतन की मिट्टी से बहुत प्यार था। वह सारी उम्र अमरोहा में ही रहे। वर्श 1947 में जब देश का बटवारा हुआ तब भी वे हिन्दुस्तान में ही रहे और देश के बाहर कभी नहीं गये।

लगभग 80 साल की उम्र पाकर 14 अप्रैल 1959 (6 शव्वाल 1378 हि0) को अमरोहा में ही आपका देहांत हुआ और अपने खानदानी कब्रिस्तान यानी रोजा-ए-शाह-अब्बन पर उन्हें दफन किया गया जहाँ उनकी कब्र आज भी मौजूद है। ईष्वर उनके दरजात को बुलन्द करे।

आसमाँ तेरी लहद पर शबनम अफशानी करे।

महिला थाने पर भाकियूं (अराजनैतिक) ने किया धरना प्रदर्शन

» सब का सपना

अमरोहा: भाकियू (अराजनैतिक) के कार्यकर्ताओं के द्वारा पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही न करने पर जनपद के महिला थाने पर धरना प्रदर्शन कर उचित कार्यवाही की मांग की

मिली जानकारी के मुताबिक कार्यकर्ताओं ने कहा की पीड़िता के पति की कुछ समय पूर्व मृत्यु हो गई थी। पीड़िता के दो बेटियां हैं। पीड़िता को सास, ससुर व जेठ के द्वारा प्रताड़ित किया जाता है।

जिसका प्रार्थना पत्र पीड़िता ने पुलिस को दिया था। लेकिन पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही कि जगह पीड़िता से फैसले पर साइन करा लिया गया।

जिसके बाद मामला कार्यकताओं भाकियूं (अराजनैतिक) के कार्यकर्ताओ के पास पहुंचा। जिसके बाद पीड़िता के साथ कार्यकर्ता थाने पहुंचे और लगभग दो घंटे तक प्रदर्शन करते रहे। उसके बाद थाना देहात प्रभारी मौके पर पहुंचे और कार्यवाही का आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन शांत कराया।

इस दौरान भाकियूं (अराजनैतिक) के राष्ट्रिय महासचिव उम्मेद सिंह, जिलाध्यक्ष कामेंद्र सिंह, तहसील अध्यक्ष महिपाल सिंह सैनी, जितेंद सिंह चौहान, चौधरी महेंद्र सिंह, सोमवती देवी, रामवती देवी, जयवती आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल और सोनिया गांधी का पुतला फूंका

» हनी चन्द्रा/ सब का सपना

चंदौसी/संभल।:- नगर के चंदौसी स्थित फुब्बारा चौक पर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सम्भल के युवा कार्यकर्ताओ ने भाजपा पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी द्वारा नेशनल हेराल्ड में किये गए घोटाले के विरुद्ध भाजपा युवा मोर्चा सम्भल के जिलाध्यक्ष शिखर गोयल के नेतृत्व में पुतला दहन किया।

प्रतिष्ठित कंपनीयों के नकली लुब्रिकेन्ट ऑयल व ग्रीस बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी सम्भल। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डा० प्रदीप कुमार व क्षेत्राधिकारी चन्दौसी आलोक सिद्धू के कुशल नेतृत्व मे जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियो पर प्रभावी नियन्त्रण लगाने हेतु थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा बजाज, हीरो, कैस्ट्रोल, बूडोल, मौजाइल, सुपर एक्टिव, किसान शक्ति, बीको, मैक्स, बोस, स्पीड पावर, एमरान आदि भिन्न भिन्न कम्पनियों के नकली मोबिल ऑयल व नकली ऑयल बनाने वाला आशीष बार्ष्णेय निवासी नया बाजार कस्वा व थाना बहजोई जिला सम्भल व. आरोपी प्रतीक गुप्ता निवासी गली न0 6 सीता रोड़ चन्दौसी जनपद सम्भल को मय नकली मोबिल ऑयल मय मोबिल ऑयल बनाने/पैकिंग के उपकरण मय लैपटॉप, प्रिन्टर, फोन, गाडियों (नकली ऑयल डिस्ट्रीबूयशन में प्रयुक्त वाहन) सहित थाना बहजोई जनपद सम्भल पर पंजीकृत मु0 में गिरफ्तार कर अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

घटना संक्षिप्त में पुलिस को यह सूचना प्राप्त हुई कि बहजोई व बनियाठेर, चन्दौसी क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनी जैसे बजाज, हीरो, कैस्ट्रोल, मौजाइल, बूडोल, सुपर एक्टिव, किसान शक्ति, बीको, मैक्स, बोस, स्पीड पावर, एमरान आदि की नकली इंजन ऑयल, ग्रीस व लूब्रिकेन्ट बनाने की फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित है।

इस सूचना पर पुलिस द्वारा दोनो ही जगह, बहतरी फाटक, कन्थरी रोड पर आईसक्रीम फैक्ट्री के पास मोबिल की फैक्ट्री, थाना बनियाठेर क्षेत्र में व बम्बा रोड के पास थाना बहजोई स्थित गोदाम पर ऑयल कंपनी के प्रतिनिधियों सहित जब चैकिंग की गयी तो उपरोक्त दोनो गोदामों में भिन्न-भिन्न कम्पनियों जैसे बजाज, हीरो, कैस्ट्रोल, मौजाइल, बूडोल, सुपर एक्टिव, किसान शक्ति, बीको, मैक्स, बोस, स्पीड

पावर, एमरान, आपसन आदि के ऑयल के कार्टन बोतल/पाऊच ड्रम व ऑयल मिक्सिंग व पैकेजिंग की मशीनें, हजारों खाली डिब्बे, ढक्कन, स्टीकर इत्यादि प्राप्त हुये।

अभियुक्त आशीष वार्ष्णेय निवासी नया बाजार कस्वा व थाना बहजोई जिला सम्भल व प्रतीक गुप्ता निवासी गली न0-6 सीता रोड़ चन्दौसी जनपद सम्भल से जब पूछताछ की गई तो उनके द्वारा यह बताया गया कि हम अपने अन्य साथियों की मदद से प्रयोग किया (used/waste) हुआ मोबिल ऑयल खरीद लेते है, जो कि मेरे अन्य साथी क्षेत्र से खरीदते है।

हम उसमें विस्कोसिटि ऐजन्ट एवं अन्य केमिकल व रंग मिलाकर ब्रांडेड कंपनियों की नकल जैसा मोबिल ऑयल गोदाम में तैयार करके ब्रांडेड कंपनी के डिब्बे स्टीकर और उपकरणों की मदद से सील करके अपने नकली माल को असली बताकर आसपास की दुकानो में तथा अन्य जनपदों में अपने साथी डिस्ट्रीबूयटर को बेंचकर जो उन्हे भोले भाले ग्राहको को असली बताकर फुटकर में बेचकर भारी मुनाफा कमाते है।

मिश्रित/नकली मोबिल ऑयल की वजह से न केवल ब्रांडेड कंपनियों को आर्थिक नुकसान होता है बल्की ब्रांडेड कंपनी की छवि खराब होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर भोले भाले वाहन स्वामियो के वाहनों छति व उसके कारण दुर्घटनायें होती है।

दोनो अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि यह कार्य हम अपने अन्य साथियों जिनके नाम है, शहनावाज पुत्र नवीजान निवासी मौहल्ला अब्दुला कस्बा व थाना बिलारी तथा उसके अन्य साथी शकील पुत्र मुन्ने खां, मौहम्मद इमरान पुत्र नन्ने निवासी मौहल्ला अब्दुला कस्बा व थाना बिलारी, मौहम्मद हिलाल पुत्र शकील अहमद निवासी ग्राम रतनपुर थाना पाकबाडा, फिरोज पुत्र मुन्ने खां नि0 करूला थाना कटघर मुरादाबाद, आरिफ पुत्र नामालूम नि0 मुरादाबाद, के साथ करते है।

समझौते के बाद भी बैंक खातों में नहीं पहुंचा वेतन कर्मचारियों ने जताया रोष

सब का सपना संवाददाता

चन्दौसी/संभल: स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ के लोग शुक्रवार को टैरियर यूटिलिटी कंपनी के प्रोजेक्ट हेड रविप्रताप सिंह से मिले जहां उन्होंने कर्मचारियों का मासिक वेतन 07 तारीख तक न पहुंचने पर रोष व्यक्त किया। बताया गया कि टैरियर यूटिलिटी कंपनी ने मार्च माह का वेतन 16 अप्रैल 2025 तक नहीं डाला है जिस कारण कर्मचारियों में आक्रोश है।

वहीं कंपनी के प्रोजेक्ट हेड रवि प्रताप सिंह ने यह कहते हुए समझौते पर हस्ताक्षर किए कि यदि 17 अप्रैल 2025 की शाम तक कर्मचारियों के खाते में उनका मासिक वेतन नहीं पहुंचा तो वह 18 अप्रैल 2025 की सुबह से काम बंद करने के लिए स्वतंत्र हैं जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी टैरियर यूटिलिटी कंपनी की रहेगी तथा कर्मचारियों का कोई भी वेतन भत्ता नहीं काटा जाएगा।

बताया गया कि समझौते के अनुसार 18 अप्रैल 2025 तक मासिक वेतन कर्मचारियों के खाते में नहीं डाला गया तो जिलाध्यक्ष अजय कुमार राजवर, जिला महामंत्री विशाल वाल्मीकि, जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, राधे, गुड्डू व संगठन के अन्य सदस्य कर्मचारी अपने नगरपालिका अस्थायी कार्यालय कंपनी बाग पहुंचे।

जहां जिलाध्यक्ष अजय कुमार राजवर ने कहा कि संघ की कथनी और करनी दोनों समान हैं। संघ जो कहता है, वह करता है। इसी क्रम में शुक्रवार को संघ पदाधिकारी व कर्मचारियों द्वारा काम बंद की घोषणा की गई, तभी प्रोजेक्ट हेड रवि प्रताप सिंह ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि नगरपालिका अध्यक्ष के गुरुवार को देर रात करीब 10 बजे हस्ताक्षर करा लिए गए हैं, आज गुड फ्राइडे के कारण बैंक बंद हैं जिस कारण वेतन शनिवार 19 अप्रैल 2025 को पड़ जाएगा। इस दौरान जिला महामंत्री विशाल वाल्मीकि, जिला कोषाध्यक्ष अनील राधे गुड्डू, नगर महामंत्री मनोज भारती, नगर मंत्री मनोज, सुमित, सोनू, गब्बर, विशाल, अभिषेक, मनीष व अन्य कर्मचारी भी रहे।

क्षेत्राधिकारी यातायात और मुंढापांडे पुलिस ने दुर्घटना संभावित रास्तों पर यातायात के प्रति जागरूक किया

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत दुर्घटना से सुरक्षा के संबंध में थाना प्रभारी भगतपुर द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भगतपुर में लोगों को यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाने हेतु जागरूक किया गया। तथा सभी को सड़क सुरक्षा प्रचार-प्रसार हेतु अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक किया।

थाना मझोला पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में पम्पलैट वितरित कर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हुए वाहन चलाने हेतु जागरूक व सभी को सड़क सुरक्षा प्रचार-प्रसार हेतु अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने व क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा थाना मूंढापांडे पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र में चिह्नित दुर्घटना संभावित रास्तों पर लोगों को सड़क सुरक्षा प्रचार-प्रसार व यातायात नियमों का पालन कर लोगों को जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दो वारंटीयों सहित शांति व्यवस्था भंग करने वाले बारह लोगों का किया गया चालान

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निदेर्शानुसार अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत जनपद के विभिन्न थानों ठाकुरद्वारा से 01 वारंटी,थाना बिलारी से 01 वारंटी को गिरफ्तार किया गया तथा शुक्रवार को जनपदीय पुलिस द्वारा बारह व्यक्तियों को संज्ञेय अपराध कारित करने से रोकने एवं परिशान्ति कायम रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय भेजा गया। थाना ठाकुरद्वारा,01, थाना बिलारी, 01,थाना मुगलपुरा-01, थाना मूढापाण्डे-02 ,थाना मझोला,04 ,थाना कांठ-01, थाना छजलैट,01, थाना ठाकुरद्वारा,01, थाना भगतपुर,01, थाना बिलारी,01 आदि।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

बिलारी। वादी निवासी थाना बिलारी क्षेत्रान्तर्गत ने अभियुक्त द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में थाना बिलारी पर तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत कराया। विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में निरीक्षक अपराध जयदेव सिंह थाना बिलारी द्वारा पुलिस बल साथ अभियुक्त गुलाम रब्बानी पुत्र जाकिर निवासी ग्राम थाँवला बिलारी जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराकर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

डीआईजी ने सुनी फरियादियों की समस्या

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। डीआईजी परिक्षेत्र मुरादाबाद मुनिराज जी द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय मुरादाबाद पर जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया एवं उनकी समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर हादसे में एक व्यक्ति की मौत

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। थाना क्षेत्र के हवाई पट्टी मोड पर तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार मे टक्कर मार दी हादसे से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दूसरा गम्भीर रूप घायल हो गया है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। भदासना निवासी कैलाश 22 वर्ष मुरादाबाद फर्म में नौकरी करता था। देर रात उसका साला ढकिया चंदौसी गांव में शादी में शामिल होने आया था।

दोनों किसी काम से हवाई अड्डे मोड पार स्थित दुकान पर गए थे। वहाँ से वापस लौटते समय रोड पार कर रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी हादसे से कैलाश की मौके मृत्यु हो गई जबकि विवेक गंभीर घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जिला अस्पताल भिजवा दिया। मृतक कैलाश की पत्नी अंशू और छह माह का बेटा है। थाना प्रभारी राजीव कुमार शर्मा ने चालक सहित कार को कब्जे में ले लिया है।

इकट्ठा करके रखी गई 8 बीघा गेहूं की फसल में अज्ञात कारणों से लगी आग

सब का सपना संवाददाता

कुढ़फतेहगढ़/संभल: थाना कुढफतेहगढ़ क्षेत्र के गांव धर्मपुर रत्ता में किसान शिवनारायन पुत्र गुलफाम सिंह के खेत में इकट्ठा करके रखी गई आठ बीघा गेहूं की फसल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग से जलकर सारी फसल राख हो गई। किसान शिवनारायन ने बताया कि गुरुवार की शाम 07:30 बजे खेत पर फसल देखने गया तो गेहूं की फसल सही प्रकार से रखी हुई थी लेकिन थोड़ी देर बाद रात्रि 08 बजे के समय खेत पर गेहूं की फसल में आग लगने की सूचना मिलते ही खेत पर पहुंचे तो खेत की फसल चारों तरफ से जल रही थी। आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फसल जलकर राख हो गई। पूरे खेत की गेहूं की फसल में आग लगने से किसान को लगभग अस्सी हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। किसान ने किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा आग लगाए जाने का अनुमान व्यक्त किया है।

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य मे सेमिनार का हुआ आयोजन

सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर मे स्वतन्त्रता के अमृतकाल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य मे दिनांक 17 अप्रैल 2025 को डायट बुढ़नपुर, के डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सभागार मे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य मे जनपद स्तरीय ह्यह्यसंविधान निर्माण के सम्बन्ध मे मनीषियों एवं विधि वेत्ताओं की भूमिकाह्लह्ल पर सेमिनार का आयोजन जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, अमरोहा एवं एस0सी0ई0आर0टी0 लखनऊ के दिशा-निर्देशों मे किया गया। आयोजन मे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के संघर्षों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया तथा सेमिनार मे आमंत्रित मनीषियों एवं विधि वेत्ताओं द्वारा संविधान निर्माण व संविधान के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार का आयोजन सुश्री शाहीन, उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट अमरोहा द्वारा कराया गया। सेमिनार मे मनोज प्रकाश, वरिष्ठ प्रवक्ता, धर्म सिंह, प्रधानाचार्य, पं0दी0द0उ0रा0मॉ0इ0का0 बुढ़नपुर अमरोहा। हरेन्द्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, निखिल दास, एसोसिएट प्रोफेसर, जे0एस0 डिग्री कालेज अमरोहा व रामाशंकर, प्रवक्ता, अरविन्द कुमार, जितेन्द्र कुमार, श्रेयस यादव, रवि यादव, सीमाक्षी, प्रवक्ता, डायट अमरोहा। प्रकाश चन्द्र, खण्ड शिक्षा अधिकारी जोया। मोहित शर्मा, रूप सिंह, रिंकु सिंह गौतम, देशराज सिंह, सनीदत्त, शिवा रानी व अनुरूति क0स0 के साथ प्रा0वि0/उ0प्रा0वि0 के शिक्षक एवं डायट के समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मैं फार्मास्यूटिकल रिसर्च एंड इनोवेशन का दो दिवसीय शुभारंभ

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। नेशनल बायोफार्मा मिशन के डायरेक्टर डॉक्टर राज के शिरुमलला आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। आज के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सार्थक सिद्ध हो रही है। बढ़ती बीमारी और संसाधनों की कमी और जनसंख्या का दबाव स्वास्थ्य पेशेवरों को लगातार नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित कर रहा है। डॉक्टर फार्मासिस्ट ,नर्स और हेल्थ टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स के लिए इंडिया अब मात्र सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि नवाचार का अग्रदूत बन गया चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद मोबाइल क्लीनिक, टेलीमेडिसिन और कम लागत वाले डायग्नोस्टिक उपकरणों ने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाया है। कोविद-19 महामारी ने भी यह सिद्ध कर दिया है। कैसे आवश्यकता के समय चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचार संभव होते हैं। वेंटीलेटर की कमी से लेटर कर टीकाकरण तक हर चुनौती के साथ एक नया समाधान जन्म लेता है। मुख्य अतिथि फामेर्सी सेक्टर में एआई ने बताया तीन हजार से ज्यादा ड्रग्स खोजी, डॉक्टर शिरुमलला ने सीमित संसाधनों में ही अविष्कार का जन्म लेते हैं। यही कारण की आज भारत जैसी विकासशील देशों में भी स्वास्थ्य क्षेत्र में स्टार्टअप, डिजिटल हेल्थ प्लेटफा-ॅर्म्स,आयुर्वेद और एलोपैथी का समन्वय तीव्र गति से बढ़ रहा है। डॉ राज के. शिरुमलला तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के फामेर्सी कॉलेज और इंस्टीट-्यूशन इनोवेशन काउंसलिंग आईसीसी की ओर से फार्मास्यूटिकल्स रिसर्च एंड इनोवेशन स्ट्रेटथिंग इंडस्ट्री एकेडमी कोलैबोरेशन पर दिनी नेशनल कांफ्रेंस के शुभारंभ मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कारोबारी के घर हुई लूट का खुलासा, दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। कारोबारी को घर में घंटों बंधक बनाने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार तीन लाख की नगदी व लाइसेंस पिस्टल बरामद हुई। मुरादाबाद के थाना कटघर क्षेत्र के अंतर्गत कॉलोनी में तीन दिन पूर्व सुबह में पीतल कारोबारी को परिवार सहित बंधक बनाकर लाखों रुपए की लूट को अंजाम दिया था।

इस मामले में सीसीटीवी फुटेज व टीम गठित कर पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए लाखों रुपये की लूट को अंजाम देने वाले बदमाशों में दो को गिरफ्तार कर लिया जबकि, दो फरार हैं।

पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को पकड़ा। उनके पास से 3 लाख से ज्यादा नकदी लुटा गया व्यापारी का पिस्टल सहित अन्य सामान भी बरामद किया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह के अनुसार देर रात थाना पुलिस को चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक पर आते हुए दो युवकों को रोका गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में शाकिबुल और वारिस उर्फ चुल्ली नाम के बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करते हुए इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसएसपी ने जनसुनवाई में आए लोगों की सुनी समस्याएं

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं। प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश । शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आये फरियादियों की समस्याएं,-िशकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुन-ावाई,महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित,शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है। उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को किट बुक बांटी, समाज में आगे बढ़ने के लिए तालीम का होना जरूरी

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। शुक्रवार को जीएफ मोंटेसरी स्कूल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सहसचिव मौलाना कौसर हयात खान ने अपने हाथो से बच्चों को एजुकेशन किट वितरित की इस दौरान कौसर हयात ने बच्चों को समझातें हुए कहा कि तालीम ही एक वाहिद चीज है। जिस के जरिए जीने का सही तरीका आता है। कुरान- ए-करीम में भी तालीम पर जोर दिया गया है।

वर्तमान में अगर हमें अपना सर उठा कर चलना है। तो तालीम को लाजमी हासिल करना है। एक रोटी कम खाएं लेकिन बच्चों को जरूर पढ़ाएं आपके लिए गालिब ने स्कूल कायम किया है। आप लोग इस स्कूल से ज्यादा से ज्यादा फायदा उठायें। और स्कूल का और अपने शहर का नाम रोशन करें। इस स्कूल में कामयाबी हासिल करें। ये कदम उठाया है। बस की बात नहीं है। स्कूल के डायरेक्टर एसएम गालिब अली ने इस मौके पर कहा ये स्कूल आपके उन बच्चों के लिए खोला गया है। जिनके माता पिता के हालत व आर्थिक रूप से कमजोर हैं। बच्चों को पढ़ाने के नहीं है। इस समय आप लोग अपने बच्चों को स्कूल में भेजें। इस प्रोग्राम में स्कूल की प्रिंसिपल फातिमा गालिब, सय्यद अबू बक्र और काफी संख्या में लोगो ने इसमें भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

अब फूड सेफ्टी कनेक्ट एप से रेस्तरां और मिठाई दुकानों की गुणवत्ता पर दें फीडबैक

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में आम नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक नई पहल की है। अब उपभोक्ता फूड सेफ्टी कनेक्ट एप के माध्यम से अपने अनुभव साझा कर सकेंगे और प्रतिष्ठानों की गुणवत्ता पर सीधा फीडबैक दे पाएंगे।

इस प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए रेस्टोरेंट, स्वीट शॉप और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर ग्राहक संतुष्टि फीडबैक डिस्प्ले प्रारूप चस्पा किया जाएगा। इस डिस्प्ले पर प्रतिष्ठान का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और फूड लाइसेंस अथवा पंजीकरण संख्या अंकित होगी, जिससे उपभोक्ताओं को सीधे जानकारी मिल सकेगी।

ग्राहक "Food Safety Connect" एप को डाउनलोड करके फीडबैक दे सकते हैं। इसके अलावा, शिकायत या सुझाव के लिए टोल फ्री नंबर 18001805533 पर कॉल कर सीधे सूचना दी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (खाद्य), अरविंद कुमार यादव, ने बताया कि प्राप्त फीडबैक के आधार पर आवश्यक जांच और कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, जिससे खाद्य प्रतिष्ठानों की गुणवत्ता में सुधार हो और उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे।

गाजियाबाद साइबर सेल ने लौटाई ठगी गई 70,000 रुपये, आवेदक ने जताया आभार

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने एक और साइबर क्राइम की घटना में बड़ी सफलता हासिल की है। साइबर सेल थाना विजयनगर की टीम ने अंकित चौरसिया नामक शख्स के साथ हुई ऑनलाइन ठगी की ₹70,000 की रकम को वापस करवा दिया। यह रकम आवेदक को उन अपराधियों से वापस मिली, जिन्होंने उनके साथ साइबर फ्रॉड किया था।

एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस को NCRP पोर्टल के माध्यम से अंकित चौरसिया की शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि वे ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए हैं। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और ठगी गई रकम को होल्ड कर लिया। इसके बाद बैंक से पत्राचार कर इस राशि को वापस आवेदक के खाते में ट्रांसफर कराया गया।

इस प्रक्रिया के बाद अंकित चौरसिया ने थाना विजयनगर आकर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को रोका जा सके।

सही खबर लिखने पर बौखलाए बिजली विभाग के अधिकारी

पत्रकार के आवास पर ही छापा मारने पहुंचे छतारी जेई

» सब का सपना संवाददाता

शिकारपुरः छतारी बिजली घर में एक गम्भीर मामला सामने आया है स्थानीय पत्रकार द्वारा मंगलवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी इसमें बताया गया था कि छतारी कस्बे में एक मकान का बिजली कनेक्शन डिस्कनेक्शन होने के बावजूद दूसरे व्यक्ति के नाम पर जारी कर दिया गया मामला सामने आने पर जेई ने तुरन्त लाइनमैन को भेजकर मकान में लगे मीटर को हटवा दिया ।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया विभागीय अधिकारी इस मामले में बचाव का रुख अपनाते दिखे जब यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई तो छतारी बिजली घर के जेई दलवीर सिंह, दोपहर को अपनी टीम के साथ खबर लिखने वाले स्थानीय पत्रकार के घर पहुंच गए उन्होंने कनेक्शन की जांच की लेकिन बिल में कोई बकाया या अनियमितता न मिलने पर टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा

स्थानीय पत्रकार ने इस कार्यवाही के खिलाफ मुख्यमंत्री बिजली विभाग के कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, और अन्य विभागीय अधिकारियों को शिकायत भेजी है उन्होंने जेई के खिलाफ कार्यवाही

■ इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया

की मांग की है पत्रकार के घर पर जेई द्वारा छापा मारा गया लेकिन छापे में कुछ ऐसी अनियमितता नहीं पाई गई ।

लेकिन पत्रकार संगठनों में जेई बिजली विभाग छतारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए धरना प्रदर्शन की बात कही एक स्थानीय पत्रकार को ऐसा नहीं परेशान किया जाता है जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश है कि पत्रकार को मान सम्मान पर कभी ठेस न पहुंचायी जाए ।

लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा मान सम्मान पर ठेस पहुंचाई जा रही है इस बात को लेकर पत्रकार संगठन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है ।

उसकी जिम्मेदारी बिजली विभाग के अधिकारियों की होगी अगर जेई दलबीर सिंह, के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है तो पत्रकार संगठन धरना प्रदर्शन देगा मुख्यमंत्री के आदेश की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा और केवल बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा जेई को पूरी तरह बचाया जा रहा है।

लगभग 10 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया

» सब का सपना

बुलन्दशहरः डा० अंकुर लाठर, उपाध्यक्ष, बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण, बुलन्दशहर के निर्देशन में खुर्जा विकास क्षेत्रान्तर्गत खुर्जा में विकास प्राधिकरण के सचल प्रवर्तन दल के द्वारा एन०एच०-91, अगवाल फाटक के पास, खुर्जा पर इनामुल व आरिफ द्वारा लगभग 120 वर्गमी० एवं एन०एच०-91, बाईपास, कृष्ण ढाबा झमका पर इरशाद द्वारा लगभग 250 वर्गमी० में किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया तथा एन०एच०-91, बाईपास, खुर्जा पर रामदत्त व कृपाल सिंह द्वारा लगभग 10 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया।

उक्त अवैध निर्माण/विकास कार्य को बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण सक्षम प्राधिकारी, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण एवं अन्य स्टाफ द्वारा पुलिस बल की उपस्थिति में सील/ध्वस्तीकरण किया गया। ध्वस्तीकरण/सील अभियान खुर्जा विकास क्षेत्र की सक्षम प्राधिकारी के कुशल नेतृत्व में निरन्तर चलाया जा रहा है। खुर्जा क्षेत्रान्तर्गत प्राधिकरण की सक्षम प्राधिकारी कर्मजीत कौर द्वारा बताया गया कि अवैध निमार्णों / विकास कार्यों के विरूद्ध कार्यवाही का अभियान अनवरत जारी रहेगा। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष द्वारा जनता से अपील की गई है। कि प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत बिना मानचित्र स्वीकृति के कोई निर्माण न करें एवं किसी अवैध कॉलोनी के अन्दर भूखण्ड क्रय-विक्रय न करें। इस सम्बन्ध में समस्त जानकारी प्राधिकरण के हेल्पलाईन नं0 8191978666 पर भी प्राप्त की जा सकती है।

नवीन अनाज मण्डी में सरकारी हेड पम्प हुए खराब जिम्मेदार अधिकारी मौन

» सब का सपना संवाददाता

शिकारपुरः नगर की नवीन अनाज मण्डी में सरकारी हेड पम्प हुए खराब जिम्मेदार अधिकारी मौन अनाज मण्डी परिसर में कई सरकारी हेड पम्प लगे हुए हैं लेकिन उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं सरकारी हेड पम्प अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे है जबकि कई हैंडपम्प उखड़े पड़े हैं व गले हुए है इस समय प्रदेश में हीट वेव की लहर चल रही है वहीं भीषण गर्मी से बचाव हेतु अच्छे पानी की किसानों व आम जनता के लिए व्यवस्था होनी चाहिए लेकिन मण्डी स्थल पर कोई ठण्डे पानी की व्यवस्था नजर नहीं आ रही जबकि मुख्यमंत्री किसानों व जनता की समस्या को लेकर गम्भीर नजर आ रहे है किसानों और आम जनता को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो वही मण्डी में जबकि

ठण्डे पानी की किसानों के लिए व्यवस्था होनी चाहिए लेकिन मण्डी में किसी तरह की पानी की कोई व्यवस्था नजर नहीं आ रही है मण्डी एम आई, ने कहा सरकारी नलों का पानी अब कोई नहीं पीता सब अपनी व्यवस्था खुद करते है जब इस सम्बन्ध में शिकारपुर एसडीएम, से जानकारी करी तो उन्होंने ने बताया कि जांच कर होगी कार्यवाही ।

गुलावठी पुलिस ने वाहनों से सामान चोरी करने वाला गैंग दबोचा, माल बरामद

» सब का सपना संवाददाता

गुलावठीः गुलावठी पुलिस ने चोरी की घटना को अंजाम देने वाले पाचं चोरो को गिरफ्तार किया है, आरोपियों के कब्जे से आठ बैटरी, एक थ्री व्हीलर, एक चाकू, दो तमंचे, कटर बरामद हुआ है।

सीओ पूर्णिमा सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा एक सूचना के आधार पर चन्दपुरा कट के पास से 5 शातिर चोरों को चोरी की गयी 8 बैटरी व 1 थ्री व्हीलर लोडर (घटना में प्रयुक्त) सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम मोनू उर्फ इसरार पुत्र सत्तार निवासी फतेउल्लापुर उज्जवल रोड थाना लिसाडीगेट जनपद मेरठ, इमरान पुत्र सलाउद्दीन निवासी शौकीन गार्डन लिसाडी रोड थाना लिसाडीगेट जनपद मेरठ,

नैपाली उर्फ नायब पुत्र फारुख निवासी शौकीन गार्डन लिसाडी रोड थाना लिसाडीगेट जनपद मेरठ, इरफान सैफी पुत्र आस मौहम्मद निवासी नूर नगर स्टेशन के पास ग्राम लिसाडी थाना लिसाडीगेट जनपद मेरठ व चांद पुत्र मुश्ताक निवासी गली नंबर 18 कांच का पुल मौहल्ला मेवगढ़ी थाना लिसाडीगेट जनपद मेरठ है। सीओ पुलिस पूर्णिमा सिंह ने बताया कि पकड़े गए पांच लोग शातिर किस्म के अपराधी हैं। गैंग बनाकर चलते हाईवे पर चलते वाहनों से बैटरी व अन्य सामान की चोरी करते हैं। पुलिस ने आरोपियों को सीसीटीवी की मदद से गिरफ्तार किया, आरोपियों पर पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। इन्हें गिरफ्तार करने में कोतवाल सुनीता मलिक, एसआई संजीव कुमार, श्रीपाल सिंह के साथ पुलिस टीम शामिल रहीं।

निर्माण श्रमिकों के लिए गाजियाबाद में जागरूकता कार्यक्रम, 12 लाभार्थियों को 8 .44 लाख की सहायता

विधायक डॉ. मंजू शिवाच और ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह रहीं कार्यक्रम में उपस्थित

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद। उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और उनके हित में लाभ वितरण हेतु ब्लॉक भोजपुर, गाजियाबाद में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं डॉ. मंजू शिवाच, माननीय विधायक, मोदीनगर, और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुचेता सिंह, ब्लॉक प्रमुख, भोजपुर मौजूद रहीं। अध्यक्षता श्री अनुराग मिश्र, उप श्रम आयुक्त,

गाजियाबाद क्षेत्र द्वारा की गई। कार्यक्रम में श्रमिकों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, योजनाओं की पात्रता, और पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। सहायक श्रम आयुक्त श्री वीरेन्द्र कुमार ने अटल आवासीय विद्यालय योजना के लाभों पर प्रकाश डाला, वहीं श्रम प्रवर्तन अधिकारी डॉ. रूपाली ने विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सबसे कमजोर वर्ग निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिक से अधिक श्रमिकों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

कार्यक्रम में कुल 12 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ₹8,44,000/- की धनराशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए, जिनमें शामिल हैं:

संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजनाः 1 लाभार्थी

मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजनाः 4 लाभार्थी

कन्या विवाह सहायता योजनाः 5 लाभार्थी

निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजनाः 2 लाभार्थी

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रूपाली द्वारा किया गया और अंत में श्री अनुराग मिश्र ने श्रमिकों से आग्रह किया कि उन्हें पंजीकरण या किसी योजना में परेशानी हो, तो वे उप श्रम आयुक्त कार्यालय, लोहिया नगर, गाजियाबाद में संपर्क करें।

क्रॉम्पटन के 3-स्टार ऊर्जा दक्ष, अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन से अपने स्पेस को बनाएं और भी शानदार

» सब का सपना

मुंबईः कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेगमेंट में अग्रणी क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपना नया प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन पेश किया है। यह प्रीमियम इंडक्शन फैन न केवल शानदार डिजाइन बल्कि शक्तिशाली तकनीक और उच्च प्रदर्शन के साथ आता है, जो आपके रहने की जगह को एक नया आयाम देता है। बैलेरीना की सुंदर घुमावदार मुद्रा से प्रेरित, अवांसर स्वर्ल कालातीत सुंदरता और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी अनूठी डिजाइन इसे किसी भी घर के लिए एक उल्लेखनीय हिस्सा बनाती है जिससे घर न केवल अधिक आरामदायक बल्कि अधिक स्टाइलिश भी बन जाता है। चाहे आप उमस से राहत चाहते हों या चिलचिलाती गर्मी से तुरंत राहत पाना चाहते हों, क्रॉम्पटन का प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सभी के लिए आदर्श समाधान है। ऊर्जा दक्षता और घरेलू सौंदर्य का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए उपभोक्ता ऐसे सीलिंग फैन चाहते हैं जो न केवल प्रभावी शीतलता प्रदान करें, बल्कि बिजली की लागत को कम करते हुए उनके आंतरिक साज- सज्जा के साथ सहजता से मेल खाएं।

आम आदमी पार्टी चंदाचोर पार्टी से अब चंदाखोर पार्टी बन गई: वीरेन्द्र सचदेवा

दुर्गेश पाठक ने अपनी लूट और भ्रष्टाचार को छुपाते हुए एक और झूठ दिल्ली की जनता से छुपाने की कोशिश की है : वीरेन्द्र सचदेवा

» सब का सपना संवाददाता

नई दिल्लीः दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी भी अजीब पार्टी है। आज से पहले हमने चंदाचोर पार्टी तो सुना ही था लेकिन अब यह चंदाखोर पार्टी बन गई है। दुर्गेश पाठक वह व्यक्ति हैं जिसने अपने ही पार्टी के चंदे को चुराने का काम किया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी और उनके नेताओं का चरित्र ही लूट, भ्रष्टाचार और झूठ है। इसी कड़ी को आगे बढाते हुए दुर्गेश पाठक ने अपने लूट और भ्रष्टाचार को छुपाते हुए एक और झूठ दिल्ली की जनता से छुपाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में शराब घोटाले के माध्यम से पैसे इकट्ठा किया गया तो उस वक्त वह सारे पैसा गोवा चुनाव में लगाया गया था और उस वक्त दुर्गेश पाठक ही गोवा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रभारी बने थे।

सचदेवा ने कहा कि दुर्गेश पाठक ने अपनी ही पार्टी का चंदा खाने का काम किया है, अगर जांच एजेंसी अपना कम कर रही है तो उनको इसमें परेशानी क्या है? अपनी ही पार्टी के चंदे को खाने वाले यह चंदाखोर लालू यादव से भी ज्यादा भ्रष्ट निकले।

उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी अपना काम कर रही है एक बार पूरी

रिपोर्ट सामने आ जाए फिर इस पूरे मामले में अन्य लोगों के भी नाम सामने आएगा।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गोवा चुनाव में जो पैसा लगाया गया था वह शराब नीति का पैसा था और उसे पार्टी फंड में प्रयोग किया गया था लेकिन दुर्गेश पाठक ने वही शराब नीति से मिले हुए पार्टी के चंदे को हड़पने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चाहे दिल्ली हो या फिर पंजाब सिर्फ सरकार के खजाने को खाली करने का काम किया है क्योंकि इनके पास एक ही ऐसा नेता बचा है जो स्टेज तो चला सकता है लेकिन स्टेट नहीं।

ग्राइंडर ऐप से दोस्ती कर युवक को तमंचा दिखाकर लूटा 98 हजार रुपये

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद। थाना कविनगर क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक युवक से ग्राइंडर ऐप के जरिए दोस्ती कर उसे मिलने के बहाने बुलाया गया और फिर उसे बंधक बनाकर नग्न वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। आरोपियों ने तमंचा दिखाकर धमकी दी और पीड़ित के मोबाइल फोन से वढकके जरिए ₹98,000 की ठगी कर डाली।

एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वादी प्रियांशु चौधरी निवासी शास्त्रीनगर, गाजियाबाद की तहरीर

पर आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि इस वारदात में शामिल शाश्वत सिंह व ऋषभ चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ऋषभ के पास से एक तमंचा भी बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि इस पूरी साजिश की शुरूआत ग्राइंडर ऐप के माध्यम से हुई थी। आरोपी सिद्धार्थ ने पीड़ित प्रियांशु से दोस्ती की और 14 अप्रैल को उसे गोविंदपुरम स्थित यश चौहान उर्फ गुन्नू के मकान पर मिलने बुलाया। वहीं पर शाश्वत, ऋषभ, सिद्धार्थ और अन्य साथियों ने प्रियांशु को धमकाया। ऋषभ ने तमंचा दिखाकर प्रियांशु को नग्न कर वीडियो बनाई। इसके बाद फोन का पासवर्ड लेकर, रळअङए गेमिंग ऐप के जरिये ₹98,000 वढक के माध्यम से कोटक महिंद्रा बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए गए।

आरोपों में बताया कि ₹4,000 आरोपी यश ने गेमिंग में खर्च कर दिए और शेष राशि अन्य साथियों के खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

विकास की नई पहचान बना रही श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट

योगी सरकार के प्रयासों से धार्मिक, पर्यटन और निवेश हब बन रहा चित्रकूट

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। एक समय दस्यु गिरोहों के आतंक के लिए बदनाम रहा चित्रकूट अब विकास की रोशनी से रौशन हो रहा है। भगवान श्रीराम के प्रिय इस तपोभूमि की पहचान अब केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि पर्यटन और निवेश के नए केंद्र के रूप में भी उभर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निजी रुचि और सतत प्रयासों से चित्रकूट एक बार फिर ह्यजंगल में मंगलह्व का अहसास करा रहा है, जैसा रामायण काल में हुआ करता था।

चित्रकूट की पौराणिक महिमा को मिल रही आधुनिक पहचान

त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण सहित चित्रकूट में सर्वाधिक समय बिताया था। तुलसीदास ने भी रामचरित मानस में चित्रकूट की महिमा का विशेष उल्लेख किया हैझ्रचित्रकूट गिरि करहु निवासू...₹। आज योगी सरकार उसी चित्रकूट को तुलसीदास के शब्दों में वर्णित ह्यमहिमा अमितह्व के अनुरूप सजाने-संवारने में जुटी है।

योगी सरकार के प्रमुख प्रयास

चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद का गठन, बुनियादी सुविधाओं के विकास हेतु ₹50 करोड़ की मंजूरी, राम वनगमन स्थल पर पर्यटक सुविधा केंद्र हेतु ₹12 करोड़, एयरपोर्ट के पास देवांगना में ₹17.56 करोड़, कामदगिरि परिक्रमा मार्ग के विकास हेतु ₹20.45 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। प्रथम किश्त के रूप में 50, 70 और 75 लाख रुपये जारी भी हो चुके हैं।

राम वनगमन मार्ग

केंद्र सरकार इसके लिए ₹11,000 करोड़ खर्च कर रही है, जो 2026 तक पूरा हो जाएगा। राम वनगमन से जुड़े अन्य स्थल जैसे श्रृंगवेरपुर का भी तेजी से विकास किया जा रहा है, जहाँ निषादराज और श्रीराम का मिलन हुआ था। यहाँ सामाजिक समरसता का प्रतीक एक विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है।

■ काशी-अयोध्या के बाद चित्रकूट बना नया धर्मस्थल, 50 करोड़ की स्वीकृति

पहले कार्यकाल से ही था योगी का विशेष फोकस

2017 से शुरू हुए प्रयासों में रामायण कॉन्क्लेव, मेले, डिजिटल रामायण गैलरी, लेजर शो और फेम टूर पैकेज जैसी पहलें शामिल हैं। दूसरे कार्यकाल में चित्रकूट को वैश्विक धार्मिक स्थल के रूप में ब्रांड किया जा रहा है।

आरेडिका में मनाया गया वर्ल्ड हेरीटेज डे

» सब का सपना संवाददाता

लालगंज/ रायबरेली: आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में वर्ल्ड हेरीटेज डे पर सेन्ट्रल पार्क के पास बने रेलकोच हेरीटेज पार्क पर महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन तथा चीफ प्लांट इंजीनियर आनन्द प्रकाश सोनी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहाँ विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को अमूल्य विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

आरेडिका प्रशासन के द्वारा इस हेरीटेज पार्क पर रेलवे के कोचों एवं इंजनों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है जो रेलवे की अनमोल विरासतों का संरक्षण कर रहा है साथ ही साथ लोगों को रेलवे की भूली-बिछड़ी यादों से जोड़कर लोगों के मन को मोहित भी करता है।

भारत एक विविधताओं से भरा देश है क्योंकि यहाँ दुनियां की अनेक सभ्यताओं संस्कृतियों, वनस्पतियों एवं जीव-जन्तुओं को पलने और पनपने का अवसर मिला। यह देश अपनी पौराणिक मान्यताओं, मंदिरों, त्योहारों, ऐतिहासिक भवनों, किलों, स्मारकों, नृत्यकलाओं, युद्ध-विधाओं, स्थानीय कलाओं, त्यौहारों, मेलों वनस्पतियों एवं जीव-जन्तुओं आदि के लिए जाना जाता है।

भारत की इन गौरवशाली धरोहरों से देश दुनिया के जन मानस को परिचित कराने एवं इनके संरक्षण के उद्देश्य से यूनेस्को के सहयोग से हर साल 18 अप्रैल के दिन को ह्यह्यविश्व विरासत दिवसह्यह्व के रूप में मनाया जाता है ताकि लोगों को अपने पूर्वजों द्वारा छोड़ी गयी अनमोल धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके।

आदित्य प्रकाश, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता एवं सांस्कृतिक संगठन के सदस्यों विश्वेश्वर प्रसाद, विवेकानंद, दीपक, अरविंद ओझा, धर्मेंद्र, गिरीश, भारतेंदु, प्रियंका, श्रेया, द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को अमूल्य विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

कॉलोनी के बच्चों ने हेरिटेज प्रदर्शनी का भरपूर आनंद उठाया तथा लगाए गए पोस्टर प्रदर्शनी से अपनी विरासत से परिचित हुए। इस अवसर पर आरेडिका के उच्च अधिकारीगण,कर्मचारी प्रतिनिधिगण,कर्मचारी एवं उनके परिवार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

घटतौली पर कसेगा शिकंजा, 1135 मशीनों की होगी री-स्टैंपिंग

» सब का सपना संवाददाता

रायबरेली । जिले में कोटे की दुकानों पर राशन की घटतौली को रोकने के लिए 1135 वेइंग मशीनों की री-स्टैंपिंग का काम शुरू कराया गया है। बुधवार को सदर तहसील के पुराने भवन में हरचंदपुर और सतांव ब्लॉक की वेइंग मशीनों को लाकर जांच की गई। जिला पूर्ति अधिकारी विमल कुमार शुक्ला ने सभी आपूर्ति निरीक्षकों को तय तारीखों को अपने-अपने तहसीलों में भेजवाकर वेइंग मशीनों की री-स्टैंपिंग करवाने के आदेश दिए हैं।

जिले में कोटे की सभी दुकानों को वेइंग मशीन दी गई हैं। कार्डधारकों को तौलकर राशन दिया जाता है। शासन की मंशा पर मशीनों की री-स्टैंपिंग का काम शुरू कराया गया है। पहले दिन सतांव और हरचंदपुर की मशीनों को सदर तहसील के पुराने भवन में लाकर जांच कराई गई।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि 17 अप्रैल को राही और अमावां की मशीनों की जांच होगी। 19 अप्रैल को महराजगंज, 21 अप्रैल को सलोन, 22 अप्रैल को ऊंचाहार, 23 अप्रैल को डलमऊ, 24 अप्रैल को लालगंज की वेइंग मशीनों की री-स्टैंपिंग होगी। 25 अप्रैल को शहर की मशीनों की जांच होगी। उन्होंने सभी आपूर्ति निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र की कोटे की दुकानों पर उपलब्ध वेइंग मशीनों की जांच कराने के आदेश दिए हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी घोषितः आरपी सिंह बने मीडिया प्रभारी

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ । लोक जनशक्ति पार्टी (प्रबुद्ध प्रकोष्ठ), उत्तर प्रदेश ने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज प्रदेश और जिला स्तर के कई पदाधिकारियों की घोषणा की। यह घोषणा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के अनुमोदन के पश्चात लखनऊ के वीआईपी रोड, आलमबाग स्थित एक भव्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी ने की।

घोषित प्रदेश पदाधिकारी इस प्रकार हैं

देवेंद्र कुमार अवस्थी- प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष / प्रवक्ता, संजीव तिवारीझ्रउपाध्यक्ष, जितेंद्र कुमार सिंह-प्रदेश प्रधान महासचिव, योगेश सिंह-प्रदेश महासचिव, विपिन कुमार दीक्षित-महासचिव (संगठन), सचिन दीक्षित- प्रदेश सचिव, मिही लाल पासी-प्रदेश संगठन सचिव, आदित्य त्रिवेदी-महानगर अध्यक्ष, आरपी सिंह-प्रदेश मीडिया प्रभारी, उमेश तिवारी एवं राजकुमार वर्मा- प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, दीपक गुप्ता- कार्यालय प्रभारी।

नवमनोनीत जिला अध्यक्ष

राम नगीना सिंह-रायबरेली, विनय सिंह- अमेठी, जितेंद्र शर्मा- सुल्तानपुर, विशाल तिवारी- अयोध्या, आदर्श अवस्थी- बाराबंकी, संजीत यादवझ्र लखनऊ, नरेंद्र कुमार लोधी- उन्नाव।

कार्यक्रम में निदेशक सर्वेश चंद मुख्य अतिथि और वरिष्ठ नेता हाजी अबरार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने संगठन की विचारधारा और भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डाला।

ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने की जांच शुरू

» सब का सपना संवाददाता

रायबरेलीः बछरावा कस्बा में बांदा-बहराइच मार्ग पर 2014-15 में सेतु निगम की ओर से ढाई करोड़ से ओवरब्रिज का निर्माण किया गया था। 2021-22 में सेतु निगम ने ब्रिज को लोक निर्माण विभाग को हैंडओवर कर दिया। ओवरब्रिज में खामियां देख पीडब्ल्यूडी ने 2023 में 80 लाख रुपये से मरम्मत कराने का प्रस्ताव शासन को भेजा था।

फरवरी 2025 शासन ने प्रस्ताव को हरी झंडी दी और मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे। एक अप्रैल से मरम्मत चल रही है। मंगलवार को ब्रिज से मलबा गिरने से राहगीरों में दहशत फैल गई। इसकी जांच शुरू हो गई है। 15 अप्रैल रात आठ बजे कस्बे के लालगंज रोड रेलवे क्रॉसिंग से 50 मीटर दूर ओवरब्रिज का एक हिस्सा अचानक गिर गया।

बीच रोड पर मलबा गिरने से एक घंटे आवागमन बाधित रहा। कस्बे में ओवरब्रिज से मलबा गिरने की खबर से लोगों में खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों को मामले की सूचना दी। जेई और एक्सईएन ने ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त हिस्से में बैरिकेडिंग कराई और सेतु निगम के अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। लोक निर्माण विभाग की जेई अलका सिंह ने बताया कि 80 लाख रुपये से मरम्मत की जा रही है। इसी दौरान उसका कुछ हिस्सा टूटकर गिर गया है। जांच कराई जा रही है। लोक निर्माण विभाग एक्सईएन महिपाल सिंह ने बताया कि रूट डाइवर्जन कर दिया गया है।

ग्रामीण में रोष

कस्बे के मनोज, विनोद, रमेश, भाईलाल का कहना है कि ब्रिज के निर्माण खूब मनमानी की गई है। बनाने के दौरान कई बार गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उसी का परिणाम है कि 10 वर्ष भी ब्रिज नहीं चला। मरम्मत में लापरवाही की गई तो ग्रामीण धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

मिर्जापुर में कृषि मंत्री ने खेतों में पहुंच किसानों से किया सीधा संवाद

मंत्री ने नव चेतना एफपीओ का किया निरीक्षण, मृदा प्रशिक्षण केंद्र व प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ/मिर्जापुर। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को मिर्जापुर जनपद के शिखड़ ब्लॉक स्थित रामगढ़ कला गांव में किसानों से मुलाकात की और फसलों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मक्का, पपीता, मूंगफली, पत्तागोभी, केला, लोबिया, रामदाना आदि फसलों का निरीक्षण किया।

जिले में जायद सत्र के अंतर्गत मक्का उत्पादन के लिए 288 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष 517 हेक्टेयर क्षेत्र में मक्का का आच्छादन हुआ है। यह लक्ष्य से कहीं अधिक है, जो किसानों की सक्रिय भागीदारी और कृषि विभाग की योजनाओं के प्रभाव का प्रमाण है। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत मक्का की खेती को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत, विकासखंड और जनपद स्तर पर जागरूकता गोष्ठियों और मेलों का आयोजन किया गया। साथ ही किसानों को अन्य जनपदों में भ्रमण व प्रशिक्षण के अवसर भी उपलब्ध कराए गए। कृषि मंत्री ने बताया कि जायद सत्र में 180 एकड़ क्षेत्र में संकर मक्का का क्लस्टर प्रदर्शन किया गया है। इसके अलावा सामान्य बीज वितरण योजना के अंतर्गत 42 कुंतल संकर मक्का बीज वितरित किए गए हैं। प्रदर्शन बीजों पर 2400 रुपए प्रति एकड़ का अनुदान, जबकि सामान्य बीजों पर 150 रुपए प्रति किलो या बीज मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अधिक से अधिक क्षेत्रों में भ्रमण कर किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें लाभ दिलाएं। इस अवसर पर मंत्री ने नव चेतना एफपीओ का भी निरीक्षण किया और वहां मृदा प्रशिक्षण केंद्र व प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। साथ ही चुनार विधायक अनुराग सिंह पटेल, कृषि विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे।

विश्व धरोहर दिवस पर पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कालेज ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

विश्व धरोहर दिवस पर पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कालेज ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कालेज ह्ययूपी हेरिटेज क्विजह्व का आयोजन हुआ। संगीत नाटक अकादमी में आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय, आईटी कॉलेज सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हेरिटेज क्विज में टीम सेरेब्रल के विशेष यादव और शशांक कुमार सिंह ने पहला पुरस्कार हासिल किया। टीम ब्लैक साबत के हर्षित उपाध्याय और मृत्युंजय विक्रम सिंह को दूसरा स्थान मिला, जबकि टीम दास्तानगोई इनसाइडर के देवेश पाण्डेय और इंद्र भास्कर मिश्रा तीसरे स्थान पर रहे। पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार क्रमशः 10 हजार, 5 हजार और 3 हजार की नकद राशि के साथ प्रदान किए गए।

इस मौके पर रील मेकिंग में पहला पुरस्कार दिपांशु यादव, दूसरा पुरस्कार मानस गुप्ता और तीसरा पुरस्कार उत्कर्ष भटनागर को मिला। वहीं फोटोग्राफी में पहला पुरस्कार नमन कुशवाहा, दूसरा पुरस्कार दमनदीप सिंह और तीसरा पुरस्कार प्रणव श्रीवास्तव को मिला। मेंहदी में पहला पुरस्कार मेहविश कुरैशी, दूसरा अदिति और तीसरा पुरस्कार अभिषेक नायर को मिला। सोलो सिंगिंग में पहला पुरस्कार यशस्वी श्रीवास्तव, दूसरा योगेंद्र तिवारी और तीसरा पुरस्कार शुभंकर विश्वास को मिला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ बुशरा तुफैल ने किया।

खनन अधिकारी को धमकाया, गाड़ी कोतवाली ले जाने से रोका

» सब का सपना संवाददाता

रायबरेली। लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ओवरलोड ट्रेलर को रोकने पर खनन अधिकारी को न सिर्फ धमकाया गया, बल्कि वाहन को थाना ले जाने से रोक दिया गया। सूचना पर पुलिस आई तो आरोपी भाग गए। खनन अधिकारी की तहरीर पर ट्रेलर मालिक समेत नौ लोगों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, धमकाने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

खनन अधिकारी उमाकांत के मुताबिक रायबरेली-टांडा हाईवे पर ऐहार स्थित टोल टैक्स के पास दोपहर में चेकिंग लगाए हुए थे। मौरंग लदे ओवरलोड ट्रेलर को रोककर चालान करने की बात कही गई। इस दौरान एक ट्रोल कर्मी ने वाहन स्वामी को प्रकरण की सूचना दी। कुछ देर बाद वाहन स्वामी अपने साथियों के साथ पहुंचकर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।

वाहन को थाना ले जाने से रोक दिया। सूचना पर पुलिस आई तो हमलावर फरार हो गए। खनन अधिकारी के मुताबिक पुलिस के पहुंचने पर वाहन को सीज करके लालगंज कोतवाली में खड़ा कराया गया। लालगंज थाना प्रभारी ने बताया कि खनन अधिकारी की तहरीर पर वाहन स्वामी जितेंद्र, वाहन चालक नाम पता अज्ञात, मोहित सिंह व पांच-छह लोगों पर केस दर्ज किया गया है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

कांग्रेस बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

रायबरेली : कांग्रेस बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह कार्यक्रम सिविल लाइन स्थित सूर्या होटल में सदर विधानसभा प्रत्याशी डा. मनीष सिंह चौहान के आयोजन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद अमेठी के.एल. शर्मा ने कांग्रेस कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकताओं को सम्मानित करके मैं स्वयं को गौरांवित महसूस कर रहा हूं। चुनाव में असली लड़ाई तो बूथ पर होती है, जहां कांग्रेस का सिपाही विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर अपने बूथ को जिताता है, रायबरेली और अमेठी पूरे देश में कांग्रेस का मॉडल संगठन है, दूसरे राज्यों के कांग्रेसी भी यहां के संगठन की प्रसंशा करते है । सांसद ने कहा कि लोकतंत्र को बचाये रखने में कांग्रेस कार्यकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है इसके लिए वोटर लिस्ट पर कार्यकताओं को नजर रखनी होगी, जो फर्जी तथाकथित वोट बढ़ाये जा रहे है उनको चिन्हित कर आपत्ति दर्ज करानी चाहिए, हम सबके नेता राहुल गांधी देश में लोकतंत्र बचाने की बड़ी लड़ाई लड़ रहे है, हम सबका यह कर्तब्य बनता है कि उनकी इस लड़ाई में उनके हाथों को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के प्रति आपकी निष्ठा जग जाहिर है, कांग्रेस की रीति-नीति पर आस्था रखने वालों को आगे लाकर संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि कांग्रेस का सबसे नीचे स्तर काकार्यकर्ता भी हमारे लिए उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना संगठन के दूसरे पदाधिकारी है, कांग्रेस की असली ताकत उसके निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ता है, जो अपने बूथों पर निडरता से खड़े रहकर अपने नेता को बड़ी जीत दिलाते है। शहर अध्यक्ष श्री धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस का यही बूथ स्तर का कार्यकर्ता है जो चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जमानत जब्त करा देता है, कांग्रेस का कार्यकर्ता जाति-धर्म से ऊपर उठकर जन सेवा को प्राथमिकता देता है। कार्यक्रम के आयोजक कांग्रेस सदर विधानसभा प्रत्याशी डा.मनीष सिंह चौहान ने उपस्थित सभी कार्यकताओं का स्वागत और अभिनंदन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री के.एल. शर्मा जी को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेद कर सम्मानित किया। कार्यवाहक जिला प्रवक्ता महताब आलम ने बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन₹ की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में सदर, अमावां और राही ब्लाक के सभी बूथ कार्यकताओं को माननीय सांसद जी ने अंगवस्त्र और फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को विजयशंकर अग्निहोत्री, मोहित मौर्या, नौशाद हुसैन खतीब ने सम्बोधित किया, इस अवसर पर मुख्यरुप से नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, ओ. पी. श्रीवास्तव, सदर समन्वयक रोहित सिंह, हाजी मो. इलियास, मो. अशरफ खान, कामता नाथ सिंह, सहित जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, वार्ड अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बुलढाणा में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, 38 लोग घायल

बुलढाणा , एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 38 लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात जिले में मलकापुर-नंदुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वडनेर भोलजी के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन हैदराबाद के कुनेर से शिरडी जा रही थी, तभी वडनेर भोलजी के पास वैन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। तुरंत सभी घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मलकापुर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार या ड्राइवर की झपकी को हादसे की वजह माना जा रहा है। फिलहाल, पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले 15 अप्रैल को बुलढाणा जिले में खामगांव-नांदुरा हाईवे पर आमसारी फाटा के पास मध्य प्रदेश परिवहन निगम की बस और ईंटों से लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल भेज दिया था। वहीं, दो अप्रैल को बुलढाणा जिले में दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर हो गई थी। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई थी, जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से तुरंत घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना था।

छत्तीसगढ़ में आईएफएस अफसर गिरफ्तार, बांटने के बजाए डकार गए 7 करोड़, सुकमा में थे वन अधिकारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 7 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप है। आर्थिक अपराध शाखा ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने वन विभाग के डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। ऐसा पहली बार है जब दोनों एजेंसियों ने किसी आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पिछले दिनों सुकमा जिले में 12 स्थानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने छापा मारा था। यह छापेमारी तेंदूपत्ता बोनस गबन मामले में की गई थी। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी। ईओडब्ल्यू ने सुकमा जिले में 12 स्थानों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंक अकाउंट और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किए थे। डीएफओ कार्यालय के कर्मचारी के निवास से नकद 26 लाख रुपए भी बरामद किए गए थे। अशोक सुकमा जिले के डीएफओ थे। घोटाला उजागर होने के बाद राज्य शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था।डीएफओ ने कई समिति प्रबंधकों के साथ मिलकर आपराधिक षड़यंत्र किया और साल 2021- 2022 में तेंदूपत्ता तोड़ाई सीजन का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया ही नहीं। यह रकम करीब 7 करोड़ रुपए था। वन विभाग के अफसरों ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को रुपए देने के बजाए गबन कर लिया। इस रकम को कुछ निजी व्यक्तियों को भी दिया गया था। इस मामले में केस दर्ज किया गया है। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने सीपीआई नेता, डीएफओ कार्यालय कर्मचारी राजशेखर, प्राथमिक लघु वनोपज समिति के प्रबंधकों के घर दस्तावेजों की जांच-पड़ताल भी की थी।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

अभी जारी नहीं होंगे नतीजे; 2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी।

अतिरिक्त जानकारी की मांग की है: कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा, चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्दपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने किया विरोध गौरतलब है कि वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने इस सर्वे को अवैज्ञानिक बताते हुए इसे खारिज करने और एक नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। पाटिल ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली कैबिनेट बैठक 24 अप्रैल को एम एम हिल्स में होगी, लेकिन उस बैठक में सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा नहीं की जाएगी। उस बैठक में पुराने मैसूर क्षेत्र से संबंधित मुद्दे लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों से कहा गया है कि वे सर्वेक्षण को लेकर अपनी राय लिखित रूप में 2 मई की बैठक में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही, सरकार ने सर्वेक्षण से जुड़ी जानकारियों को जनता के सामने लाने का निर्णय लिया है ताकि फैल रही भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला किया जा सके। साथ ही यह भी बताया गया कि सरकार उन आरोपों का खंडन करेगी जिसमें कहा गया था कि डोर-टू-डोर सर्वेक्षण नहीं किया गया। बता दें कि हाल ही में जाति सर्वे की रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई थी। 11 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया था।

कोर्ट में चलाया गया तमिलनाडु के मंत्री का वीडियो, जज भी रह गए हैरान, तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी। तमिलाडु सरकार में मंत्री के पोनमुडी की दिक्कतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने डीजीपी से एक्शन रिपोर्ट मांगी है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस से कहा, अगर आप एफआईआर नहीं दर्ज करते तो कोर्ट प्रशासन के खिलाफ स्वतः संज्ञान करके अवमानना की कार्रवाई करेगा। पोनमुडी पर आरोप है कि उन्होंने शैव और वैष्णवों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। उन्होंने सनातन तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से की थी। मंत्री ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी है। जज ने कहा, इस मामले को लेकर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की जगह एक ही एफआईआर दर्ज की जाए। आय से अधिक संपत्ति मामले में बरी किए जाने के बाद मंत्री के खिलाफ पीआईएल फाइल की गई थी। कोर्ट में चलाया गया मंत्री का वीडियो

गुरुवार को सुनवाई के दौरान पोनमुडी का भाषण कोर्टरूम में चलाया गया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि उनका बयान वाकई में दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि मंत्री के पद पर आसीन एक शख्स को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पोनमुडी के शब्द उसी तरह हैं जैसे कि कमान से निकला हुआ तीर। अब माफी मांगने का भी कोई मतलब नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी और ने इस तरह का बयान दिया होता तो उसपर अब तक 50 केस दर्ज हो गए होते। जज ने कहा, भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी तरह हेट स्पीच भी अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेत्री कश्तूरी, बीजेपी नेता एच राजा और अन्नामलाई के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर शिकायत नहीं भी दर्ज होती है तब भी हेट स्पीट मामले में केस दर्ज किया जाना चाहिए। बता दें कि विवाद के तूल पकड़ने के बाद डीएमके ने पोनमुडी को डिप्टी जनरल सेक्रेटरी के पोस्ट से हटा दिया था। वह फिलहाल तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री हैं। पोनमुडी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से कर दी थी और चुटकुले सुनाए थे। इसके बाद बीजेपी नेता अन्ना मलाई ने डीएमके पर हमला किया। बीजेपी का कहना है कि पोनमुडी को कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

फरीदाबाद में दो छात्राओं का किडनैप, एक के साथ गैंगरेप; दूसरी सकुशल वापस घर लौटी

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में दो युवकों ने कंप्यूटर कोर्स कर रही दो छात्राओं को अपनी बातों में उलझाकर अगवा कर लिया और एक छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया। जबकि एक छात्रा उनके चंगुल से बच निकली। पीड़ित छात्रा और उसकी सहेली एक निजी इंस्टीटयूट से कंप्यूटर कोर्स कर रही हैं। वे 15 अप्रैल की सुबह करीब 10ः00 बजे अपने घर से इंस्टीट्यूट जाने के लिए बल्लभगढ़ बस अड्डा पहुंची थीं। इसी बीच वहां एक युवक पहुंचा। उसके बाद उसका एक और परिचित युवक आ गया। पहले आए युवक ने शीतला माता मंदिर का पता पूछा। इस तरह बातों में उलझाकर एक युवक ने छात्राओं के हाथ में गेंदे का फूल, पीपल का पत्ता और पत्थर रख दिया। इसी बीच वे दोनों छात्राओं को अग्रवाल कॉलेज के पास ले गए। उनमें से एक छात्रा को उपरोक्त सामान को बस अड्डे पर रखने के लिए वापस भेज दिया और दूसरी छात्रा को ऑटो में बैठाकर उपरोक्त फूल, पत्ते को आईएमटी के पास पीपल के पेड़ के नीचे रखने का झांसा देकर ले गए। आरोपियों ने छात्रा को डराया कि सामान को पीपल के पेड़ के नीचे नहीं रखा तो उनकी जान चली जाएगी।

आसीस जीएनपीएस पीतमपुरा में अब विशेष बच्चों के लिए आशा की एक नई किरण

» सब का सपना संवाददाता

नई दिल्ली: श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की जयंती पर आयोजित आध्यात्मिक रूप से उत्थान समारोह में, गुरु नानक पब्लिक स्कूल (जीएनपीएस), पीतमपुरा ने अपनी नई आसीस इकाई का उद्घाटन किया- जो विशेष जरूरतों वाले बच्चों की सहायता के लिए समर्पित है। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल गुरुद्वारा साहिब में शबद कीर्तन और अरदास के साथ हई जिसमें इस नेक काम के लिए आशीर्वाद मांगा गयो उद्घाटन समारोह में जीएनपीएस पंजाबी बांग के गणमान्य व्यक्तियोंने भाग लिया, गुरिंदर पाल सिंह (अध्य), कुलदीप सिंह लायलपुरी (पबंधक) गुरविंदर सिंह सभरवाल (वित्तसचिव) के साथ-साथ जीएनपीएस पीतमपुरा के प्रबंधन सदस्य दलजीत सिंह बिं्(अध्यक्ष), जसबीर सिंह चावला (परबंधक) और ए.पी. सिंह आहूजा (वित्त सचिव) शामिल थे। उनके सामूहिक द्दकोण और प्रतिबद्धता ने समावेशी शिक्षा के मिशन को आगे बढ़ाते हुए असीस की दूसरी शाखा के सफल शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया।

समारोह में भाषण, सिरोपा के साथ अभिनंदन, रिबन काटना, दीप प्रज्ज्वलन और बच्चों द्वारा एक मार्मिक नृत्य प्रदर्शन शामिल था - जो आशा और करुणा से भरी एक नई शुरूआत का प्रतीक था।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन – जल है तो कल है

» सब का सपना संवाददाता

नई दिल्ली: गुरु नानक पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन की प्रधानाचार्या श्रीमती मनप्रीत कौर जी के निदेर्शों पर विद्यालय में पिछले कई दिनों से जल पखवाड़ा मनाया जा रहा है. जल पखवाड़ा भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक अभियान है, जिसमें जल शक्ति मंत्रालय और सी बी एस ई भी शामिल हैं।

इसका उद्देश्य जल संरक्षण ,जल का सदुपयोग और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है ।विद्यालय में जल से संबंधित (पोस्टर मेकिंग) चित्रकला,भाषण, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन,कविता लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

आज प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी विद्यार्थियों और अध्यापिकाओं ने जल के सदुपयोग और उसके संरक्षण के लिए शपथ ली। इसमें जल को बचाने और उसका विवेकपूर्ण उपयोग करने के महत्व को उजागर किया गया ।छोटे-छोटे विवेकपूर्ण प्रयासों से भी हम विद्यालय के

इन छोटे बच्चों को भविष्य के सुसंस्कृत और सुसम्य नागरिक बनने में योगदान दे सकते हैं ।

हूती विद्रोहियों पर कहर बनकर टूटी अमेरिकी सेना, भारी बमबारी में 38 की गई जान

साना, एजेंसी। अमेरिका ने यमन के रास इस्सा तेल बंदरगाह पर हवाई हमला कर कम से कम 38 हूती विद्रोहियों को मौत के घाट उतार दिया है। हमले का दावा हूती चरमपंथियों से जुड़े मीडिया रिपोर्ट में की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार हमले में 100 से अधिक हूती विद्रोहियों गंभीर रूप से घायल भी है। वहीं अमेरिकी सेना के 'सेन्ट्रल कमांड' ने भी हमले की पुष्टि की है। अमेरिकी सेना के अनुसार यह हमला ट्रंप सरकार द्वारा हूती विद्रोहियों के खिलाफ 15 मार्च से शुरू किए गए ऑपरेशन का हिस्सा है।

हमले के बाद हूती विद्रोहियों के समाचार चैनल द्वारा जारी ग्राफिक फुटेज में घटनास्थल पर कई शव बिखरे नजर आ रही हैं। वहीं हमले का कारण बताते हुए अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने कहा कि 'अमेरिकी सेना ने ईरान समर्थित हूती आतंकवादियों के लिए ईंधन स्त्रोत को खत्म करने और उन्हें अवैध कमाई से रोकने के लिए यह कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के अनुसार 10 साल से अधिक समय से हूती विद्रोहियों के लिए यह आय का बड़ा श्रोत रहा है। हमले का मकसद किसी भी तरह से आम लोगों को नुकसान पहुंचना नहीं था। इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध शुरू होने के बाद हूती विद्रोहियों ने लगातार मालवाहक जहाजों को अपना निशाना बनाया है। ड्रोन और मिसाइल हमलो से कई जहाजों को निशाना बना रहे थे। हालाँकि गाजा में दो महीनों के लिए हुए युद्धविराम के दौरान हूती विद्रोहियों ने भी हमले रोक दिए थे।

गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश उत्सव सदर बाजार में धूमधाम से मनाया

» सब का सपना संवाददाता

नई दिल्ली: नौवें गुरु तेग बहादुर बहादुर जी का प्रकाश उत्सव सदर बाजार के कुतुब रोड पर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष श्री राकेश यादव महासचिव सतपाल सिंह मांगा, कमल कुमार, कार्यकरणीय अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल, बरी मार्केट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वरिंदर आर्य सहित अनेक व्यपारियों ने बड़ी धूमधाम से मनाया

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने बताया सभी व्यापारियों ने देश की सुख शांति के लिए अरदास की और प्रसाद वितरण किया साथ ही सभी से गुरु जी के बताए हुए मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने बताया सदर बाजार एक भाईचारे की मिसाल है यहां सभी धर्म के लोग एक दूसरे के कार्यक्रम मिलजुल कर मनाते हैं।

वरुण धवन-अर्जुन कपूर के साथ होगी 800 करोड़ी एक्ट्रेस!

इस वक्त कई फिल्मों के सीक्वल पर काम चल रहा है. इसमें से एक है 2005 में आई सलमान खान की वो फिल्म, जिसके पार्ट 2 में भाईजान नहीं दिखने वाले हैं. नो एंट्री 2 में वरुण धवन और अर्जुन कपूर काम कर रहे हैं. हालांकि, अब एक एक्ट्रेस की एंट्री की भी खबरें हैं. 800 करोड़ी फिल्म देने वाली एक्ट्रेस की किस्मत चमक गई है.

सलमान खान और अनिल कपूर की कल्ट क्लासिक फिल्म No Entry को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. 2005 में आई इस पिक्चर का सीक्वल बनाया जा रहा है. लोगों की लंबे वक्त तक डिमांड के बाद मेकर्स ने सीक्वल बनाने का फैसला किया. फिलहाल पार्ट 2 पर काम चल रहा है. फिल्म में कई एक्टर्स की एंट्री पहले ही हो चुकी है. इसमें वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अर्जुन कपूर शामिल हैं. वहीं पिक्चर को अनीस बज्मी बना रहे हैं. इसी बीच फीमेल लीड की एंट्री को लेकर भी धांसू अपडेट आ गया है.

NO ENTRY 2 में एंट्री!

हाल ही में पीपिंगमून पर एक खबर छपी. इसके मुताबिक, पिक्चर में तमन्ना भाटिया की एंट्री हो गई है. हाल ही में वो अजय देवगन की रेड 2 के एक गाने में भी दिखी हैं. दरअसल वो स्पेशल सॉन्ग ठरेँ में नजर आईं थी, जिसे गजब का रिस्पॉन्स मिल रहा है. हालांकि, अब कहा जा रहा है कि नो एंट्री 2 के लिए बतौर फीमेल लीड एक्ट्रेस की एंट्री हुई है. उनके लुक को लेकर भी धांसू जानकारी मिली है. दरअसल 2005 की फिल्म में जैसा बिपाशा बसु का रोल था, उसी तरह के किरदार में वो दिखने वाली हैं. कुछ वक्त पहले ही पता लगा था कि तमन्ना भाटिया की अजय देवगन की एक और फिल्म में एंट्री हुई है. जो है-रेंजर. इस पिक्चर की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं. बीते हफ्ते ही एक्ट्रेस ने काम शुरू किया है. दरअसल तमन्ना भाटिया स्त्री 2 में भी स्पेशल नंबर करती दिखी थीं. फिल्म ने 800 करोड़ से ज्यादा छापे थे. फिल्म को पहली फीमेल लीड मिल गई है, जो है तमन्ना भाटिया. इसके अलावा दूसरी फीमेल लीड को लेकर विचार चल रहा है. जो अदिति राव हैदरी हो सकती हैं. हालांकि, उनकी कास्टिंग अबतक कंफर्म नहीं हो पाई है. इसके अलावा श्रद्धा कपूर और मानुषी छिल्लर के साथ भी बातचीत चल रही है. जल्द ही पता लग जाएगा, पिक्चर में कौन दिखाई देगा. दरअसल अदिति ने फिल्म पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी की पहली पत्नी का किरदार निभाया था. वहीं अलाउद्दीन खिलजी का रोल रणवीर सिंह ही कर रहे थे.

सलमान खान के दिल के बेहद करीब हैं कपूर खानदार की ये लाडली

9 फिल्मों में साथ कर चुकी हैं काम

सलमान खान अपनी को-स्टार्स का काफी ध्यान रखते हैं, शायद यही वजह है कि आज भी उनकी पुरानी फिल्मों की हीरोइन सलमान के बेहद करीब हैं. सुष्मिता सेन, काजोल, रानी मुखर्जी आज भी सलमान की तारीफ करती नजर आती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कपूर खानदान की लाडली के साथ सलमान ने 9-9 फिल्मों में काम किया था, वो सुपरस्टार के बेहद क्लोज हैं.

सलमान खान ने जबसे फिल्मों में कदम रखा है, उन्होंने कई अदाकारों के साथ कई फिल्मों में काम किया है. आजकल डायरेक्टर फ्रेश पेयर बनाने पर गौर करते हैं, लेकिन 80-90 के दशक में एक हीरोइन और एक हीरो के साथ ही कई फिल्में बनाई जाती थीं. ऐसी एक जोड़ी सलमान खान और करिश्मा कपूर की भी थीं, जिन्होंने एक साथ 9-9 फिल्मों में काम किया था. सलमान खान और करिश्मा कपूर आज भी काफी क्लोज हैं. भले ही दोनों ज्यादा एक साथ नजर नहीं आतें, लेकिन जब सलमान से करिश्मा और करीना कपूर में से 'दस का दम' शो पर एक को चुनने को कहा गया, तो उन्होंने लोलो को चुना. सलमान हमेशा करिश्मा की तारीफ करते नजर आते हैं.

सलमान खान के साथ करिश्मा कपूर ने फिल्म बीवी नंबर 1 में काम किया है. ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. दोनों के बीच की कैमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था. फिल्म अंदाज अपना अपना में भी सलमान और करिश्मा को एक साथ देखा गया था. ये फिल्म भले ही फ्लॉप रही थी, लेकिन इस फिल्म की कहानी लोगों को खूब पसंद आई थी. अब इस फिल्म को कल्ट फिल्म बी कहा जाता है.

साल 1999 में सलमान खान और करिश्मा कपूर फिल्म हम साथ साथ हैं में नजर आए थे.

नुसरत की जगह अनन्या को कास्ट करने पर ड्रीम गर्ल 2 के डायरेक्टर ने दी सफाई

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा, जो आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें ड्रीम गर्ल 2 में अनन्या पांडे ने रिप्लेस कर दिया था. हाल ही में एक इंटरव्यू में नुसरत भरूचा ने इस बारे में दुख जताया था. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि उन्हें ड्रीम गर्ल 2 में क्यों नहीं लिया गया था. अब इस पूरे मामले में फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य ने प्रतिक्रिया दी है.

राज ने बताया कि ड्रीम गर्ल 2 एक सीक्वल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइजी फिल्म थी. उन्होंने कहा, अगर ये सीक्वल होता, तो नुसरत को जरूर लिया जाता. ड्रीम गर्ल की कहानी वहीं खत्म हो गई थी, जब आयुष्मान और नुसरत के किरदार एक हो गए थे. हम एक नई कहानी दिखाना चाहते थे, इसलिए हमने आयुष्मान, मनजोत सिंह और अनु कपूर जैसे मुख्य किरदारों को रखा और अनन्या को नई लड़की के रूप में चुना.

उन्होंने आगे कहा कि इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है. राज ने बताया, नुसरत ने मुझसे एक बार पूछा था कि उन्हें ड्रीम गर्ल 2 में क्यों नहीं लिया गया. मैंने उन्हें यही समझाया कि कहानी के हिसाब से हमें एक नई लड़की चाहिए थी.

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने वंदना कटारिया के शानदार करियर की सराहना की

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया। इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया।
मोदी ने एक्स पर साझा किए गए पत्र में लिखा, भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया। हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था।

महिला खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है डब्ल्यूपीएल : मंधाना

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए काफी काम किया है और पुरुषों की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है। मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने डब्ल्यूपीएल खिताब अपनी झोली में डाला था जो आरसीबी की कैबिनेट में एकमात्र ट्रॉफी है।

महाराष्ट्र के सांगली जिले की इस स्टार क्रिकेटर का कहना है कि अभी तो डब्ल्यूपीएल के तीन चरण ही खेले गए हैं लेकिन इसका असर घरेलू क्रिकेट और लड़कियों पर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा, अंडर-19 टीम की खिलाड़ियों में बड़ा बदलाव आया है, उन्हें इतनी सारी चीजें पता हैं जो हम अपने दिनों में नहीं जानते थे। इसलिये लीग के आने से काफी विकास हुआ है। अब टीवी पर भी महिला क्रिकेट का प्रसारण होता है, सब भारतीय महिला टीम को जानते हैं। बीसीसीआई ने पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए बहुत काम किया है।

खेल

फिर लय में आ रहे हैं रोहित : बाउचर

मुंबई (एजेंसी) दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल में लय में लौट रहे हैं और जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बृहस्पतिवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है।

मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच बाउचर ने आईपीएल प्रसारकों से कहा, हमने इस मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उसके तेवर पसंद आये। उसने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेगा।

वहीं नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या के बारे में उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौलाओं में से है। जब वह अच्छा खेलता है तो टीम जीतती है। अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहा है और विकेट भी ले रहा है। इससे उसका आत्मविश्वास बढेगा।

विल जैक्स के बारे में उन्होंने कहा, वह दबाव में लग रहा है और उस तरह से प्रदर्शन नहीं रहा है, जैसा वह करना चाहता होगा। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी है और जबर्दस्त हरफनमौला है। उसने कुछ अहम विकेट लिये जिससे बतौर बल्लेबाज भी उसका आत्मविश्वास बढा है। आखिरकार वह योगदान दे पा रहा है और इस लय को कायम रखना चाहेगा। पंड्या के बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा, हार्दिक पंड्या मोर्चे से अगुवाई कर रहा है। गेंदबाजी हो, बल्लेबाजी या फील्डिंग। वह हमेशा मुस्कुराता रहता है और कभी हार नहीं मानता।

जीतू ने विश्व कप से पहले शिविर में मुझे कुछ उपयोगी सुझाव दिए थे : सुरुचि सिंह

नयी दिल्ली (एजेंसी) निशानेबाज सुरुचि सिंह की अंगुलियों में सटीक निशाना साधने की प्रतिभा पहले से ही थी लेकिन राष्ट्रीय शिविर में पिस्टल के दिग्गज जीतू राय से मिले सुझाव से वह दक्षिण अमेरिका में आईएसएसएफ विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही।

भारत की शीर्ष घरेलू प्रतियोगिताओं में कई पदक जीतने वाली इस 18 साल की निशानेबाज को भारतीय निशानेबाजी में अगली बड़ी खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। सुरूचि ने अपनी प्रतिभा और धैर्य से काफी प्रभावित किया है।

उन्हें अपनी घरेलू सफलता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए थोड़ी ह्यसलाहह्व की जरूरत थी और ऐसे में उन्हें जीतू से मार्गदर्शन मिला। इस सुझाव के बाद उन्होंने बेहद ही कम समय में आईएसएसएफ विश्व कप में दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते।

सुरुचि ने लीमा से पीटीआई से कहा, जीतू ने मुझे कुछ सुझाव दिए, जिनसे मुझे यहां बहुत मदद मिली और खेल में आगे बढ़ने के लिए ये सलाह महत्वपूर्ण हैं। मैंने उनकी सलाह का पालन किया और इसका फल मुझे मिला।

वर्तमान में राष्ट्रीय टीम के पिस्टल कोचों में से एक जीतू को सुरुचि लंबे समय से जानती हैं। जब झज्जर की निशानेबाज ने अपने राष्ट्रीय कोच के रूप में सेना के इस पूर्व निशानेबाज को चुना तो कोई आश्चर्य नहीं हुआ। सुरुचि के पिता भी सेना से हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

जीतू को अपने समय के दुनिया के सबसे बेहतरीन पिस्टल निशानेबाजों में से एक माना जाता था और जिन्होंने शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टूनामेंटों में कई स्वर्ण पदक जीते है। अपनी विनम्रता के लिए पहचाने जाने वाले इस पूर्व निशानेबाज ने कहा कि सुरुचि के पास अच्छी तकनीक है और वह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत मजबूत है।

जीतू ने कहा, जब मैंने उसे प्रशिक्षण के दौरान निशाना साधते हुए देखा तो मैंने महसूस किया कि उसका हाथ थोड़ा बाईं ओर झुका हुआ था। अभ्यास के साथ उसने इसे जल्दी ही ठीक कर लिया। हमने 15 दिनों तक कर्णी सिंह रेंज में प्रशिक्षण लिया और यह एक बहुत ही उपयोगी शिविर था।

राय ने कहा, मैंने उसे बताया कि जब वह बड़े अंतरराष्ट्रीय टूनामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रही हो, तो दबाव को कैसे संभालना है, परिस्थितियों और स्थितियां का आकलन कैसे करना है क्योंकि सभी रेंज और स्थितियां एक जैसी नहीं होती हैं।

हरियाणा के भिवानी में द्रोणाचार्य अकादमी की छात्रा सुरुचि को अभी लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने कहा, मैं टूनामेंट की परवाह किए बिना अच्छी निशानेबाजी करने की कोशिश करती रहूंगी।

सीएसके ने चोटिल गुरजपनीत की जगह ब्रेविस को टीम में शामिल किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने शुक्रवार को चोटिल तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में शामिल करने की घोषणा की।

दुनिया के सबसे रोमांचक युवा क्रिकेटरों में से एक ब्रेविस ने 2023 में पदार्पण के बाद दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। ब्रेविस दुनिया भर की फ्रेंचाइजी टूनार्मेंट में खेल चुके हैं जिसमें आईपीएल, सीपीएल, एमएलसी और एसए20 शामिल हैं।

वह 2025 एसए20 में 184.17 के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में छठे स्थान पर रहे थे जिससे मुंबई इंडियंस केपटाउन को अपना पहला खिताब जीतने में मदद मिली थी।

आईपीएल ने मीडिया को दिए बयान में कहा, चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे हुए मैचों के लिए चोटिल गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल करने का फैसला किया है। ब्रेविस (21 साल) इससे पहले 2022 और 2024 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे और उन्होंने 10 मैच खेले थे। उन्होंने 81 टी20 मैच खेले हैं और 1787 रन बनाए हैं। ब्रेविस 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके में शामिल होंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।